स्थापना वर्ष-2014

वार्षिक पत्रिका

प्रथम अंक

अभिव्यक्ति 2022-23

विष्णुचरण गुप्ता शासकीय महाविद्यालय पुसौर, रायगढ़ (छ.ग.)

पुसौर का परिचय

पुसौर छत्तीसगढ़ राज्य के पूर्वांचल में उड़िसा सीमा से लगे कला एवं संस्कारधानी रायगढ़, केलो नदी महतारी के दक्षिण में स्थित है। 19वीं सदी के पूर्व पुसौर का नाम पुश्पपुर नामक एक गढ़ था। यहां के राजा का नाम पुश्यमित्र था । पुश्पपुर के समीप गौतमी किस्सापाली व कलम्बी गांव थे। पाली भाशाओं में पुश्पपुर को पुस्सउर और बाद में पुसाउर फिर पुसौर हुआ। यह क्षेत्र सपाट भूमि पर स्थित है। जहां उत्कल संस्कृति परम्परा देखते ही बनता है। यहां की संस्कृति में उड़िसा एवं छत्तीसगढ़ दोनों की मिश्रित संस्कृति देखने को मिलती है।

कास्य नगरी के नाम से प्रसिद्ध यह क्षेत्र अब जिले के "मिनी एजुकेषन हब" के रुप में पहचान बना चुका है।

महाविद्यालय हमारा

छत्तीसगढ़ की संस्कारधानी कहा जाने वाला जिला रायगढ़ एक औद्योगिक नगरी है जहाँ एशिया का सबसे बड़ा स्पंज आयरन प्लांट जिंदल स्टील एंड पावर लिमिटेड स्थित है। देश का चौथा कत्थक घराना रायगढ़ है जहाँ राजा चक्रधरसिंह जैसे महान तबला वादक का जन्म हुआ। पूर्व से लेकर पश्चिम तक ,उत्तर से लेकर दक्षिण तक ऐतिहासिक स्थलों से घीरे हुए रायगढ़ जिले से तकरीबन 17 कि.मी. दूर पूर्व मे कांस्य नगरी के रुप में विख्यात अंचल पुसौर स्थित है । जिसका प्राचीन नाम पुशपपुर था । यह अंचल कांस्य के धातुओं से विभिन्न कलाकृतियों,बर्तनों आदि के निर्माण कार्य के कारण कांस्य नगरी के रुप में विख्यात है। यह क्षेत्र अनेकों ग्रामीण क्षेत्रों से घिरा एक नगरीय निकाय है जहाँ दूरस्थ क्षेत्रों से आने वाले विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा का लाभ दिलाने हेतु वर्ष 2014 में नवीन शासकीय महाविद्यालय की स्थापना पुसौर तहसील में की गई। अपनी प्रारंभिक अवस्था में महाविद्यालय का कार्य शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पुसौर के भवन में संचालित किया जाता था। महाविद्यालय में प्रारंभ से ही विज्ञान, कला एवं वाणिज्य संकाय का अध्यापन कार्य किया जाता रहा है जिसमें प्रारंभ में प्रथम वर्ष में विद्यार्थियों की संख्या 60 थी जो बढ़कर 70 हो गई। स्कूल भवन में स्थित होने के कारण महाविद्यालय में बीए, बीएससी, बीकॉम की कक्षाएं प्रातःकालीन पाली में प्रातः 7:30 बजे से 2:30 बजे तक ली जाती थी। भवन के अभाव में भले ही विद्यार्थियों एवं प्राध्यापकों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ा परन्तु प्राध्यापकों ने उन्हें ज्ञान देने एवं उनके बौद्धिक विकास को बढ़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ा और इसका परिणाम यह निकला कि सत्र 2018-19,2019-20 एवं 2020-21 में हमारे महाविद्यालय के दो दो विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त किया। हमारे कई विद्यार्थियों ने राज्यस्तरीय एवं विश्वविद्यालय स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया। आज महाविद्यालय एक गौरवपूर्ण अवस्था में है जहाँ प्रत्येक व्यक्ति महाविद्यालय के पठन पाठन के वातावरण की सराहना करते हैं। वर्ष 2019 में उच्च शिक्षा विभाग छत्तीसगढ़ शासन के आदेश से नवीन शासकीय महाविद्यालय पुसौर का नाम परिवर्तित होकर विष्णुचरण गुप्ता शासकीय महाविद्यालय पुसौर हो गया। स्व. विष्णुचरण गुप्ता जी पुसौर जनपद के प्रथम अध्यक्ष थे जिनके कार्यकाल में अनेक विकास कार्य संपन्न हुए। एक लंबे अरसे तक भवन के अभाव में रहने के पश्चात वर्ष 2022 के सितंबर माह में महाविद्यालय को उसका नवीन भवन मिल गया जो बोरोडीपाचौक पुसौर से लगभग 1.5 किलोमीटर दूर शासकीय जी.ए.डी. आवासीय कॉलोनी के समीप स्थित है। नवीन भवन लगभग पांच एकड़ भूमि में निर्मित 30 कक्षों वाला भवन है, जहाँ कक्षाएं सुबह 10:30 बजे से शाम 5:30 तक लगाई जाती है। नवीन भवन में पर्याप्त बैठक व्यवस्था होने के कारण विद्यार्थियों की संख्या में शीघ्र ही बढ़ोतरी की संभावना है। साथ ही बी.एस.सी गणित की कक्षाएं भी स्वीकृत है जो नवीन भवन में आने के पश्चात जल्द ही प्रारंभ होंगी।महाविद्यालय के कला संकाय में इतिहास, हिंदी साहित्य, समाजशास्त्र एवं राजनीति विज्ञान विषय पर अध्यापन कार्य होता है। इस भवन में विज्ञान के तीनों विषयों रसायनशास्त्र, वनस्पति विज्ञान एवं जंतु विज्ञान की अलग अलग प्रयोग शालाएं हैं। एक ICT रुम तैयार किया जा रहा है ताकि विद्यार्थियों को संचार के नवीन माध्यमों एवं तकनीकों से अवगत कराया जा सके। नवीन भवन परिसर में तहसीलदार पुसौर के कर कमलों से वृक्षारोपण का कार्य सम्पन्न कराया गया। महाविद्यालय में समय समय पर विद्यार्थियों के भविष्य हेतु करियर मार्गदर्शन पर कार्यशाला का आयोजन किया जाता है। विभिन्न सांस्कृतिक एवं अकादमिक गतिविधियों का आयोजन भी करवाया जाता रहा है । अब तक महाविद्यालयमें तीन राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जा चुका है। महाविद्यालय में स्थापना वर्ष सेलेकर अब तक असेम्बली करवाई जाती है जिसमें ज्ञान, विज्ञान की बातें विद्यार्थियों के समक्ष रखी जाती है। शिक्षा वह आधार है जिससे व्यक्ति के व्यक्तित्व का विकास तो होता ही है साथ ही यह शिक्षा मानवीय मूल्यों को व्यक्ति के हृदय में प्रवेश कराकर उसे समाज से जोड़ने का कार्य करती है। यही भाव, यही विचारधारा हमारे महाविद्यालय की दृष्टि एवं उसका लक्ष्य है। सत्र 2023-24 में महाविद्यालय का नैक मूल्यांकन होना है जिसके लिए SSR आदि सभी आवश्यक प्रक्रियाएं IQAC के नेतृत्व में पूर्ण करा ली गई है। महाविद्यालय मेंवर्तमान में बी.ए., बी.एस-सी.एवं बी.कॉम. के कुल 600 से अधिक विद्यार्थी अध्ययनरत हैं।वर्तमान में महाविद्यालय में तीनों संकाए कला, विज्ञान एवं वाणिज्य में सभी प्राध्यापक नियमित है। साथ ही एक प्रयोगशाला परिचारक, दो प्रयोगशाला तकनीशियन,एक सहायक ग्रेड 2 एवं एक भृत्य कार्यरत हैं।

संपादक मण्डल

संरक्षक
प्राचार्य
प्रो. पतरस किंडो

संपादक
श्रीबच्छ भोय
सहायक प्राध्यापक (हिन्दी)

डॉ. सरोज कुमार
सहायक प्राध्यापक (रसायन)

सह-संपादक
श्री रमेश कुमार साहू
सहायक प्राध्यापक (वाणिज्य)

सदस्य
श्रीमति शीतल केरकेट्टा
सहायक प्राध्यापक (वाणिज्य)

छात्र संपादन सहयोग

आकांक्षा प्रधान
बी.कॉम. तृतीय वर्ष
...
देवेश प्रधान
बी.एस-सी. तृतीय वर्ष
...
ऋषिमा दीप
बी.ए. तृतीय वर्ष

सदस्य
शिवानी शर्मा
सहायक प्राध्यापक (राजनीति विज्ञान)

सम्पादकीय

छत्तीसगढ़ राज्य के पूर्वांचल में ओडिशा की सीमा से लगे पुसौर नगर का 19 वीं सदी के पूर्व का नाम पुष्पपुरथा। पाली भाषाओं मे पुष्पपुर को पुस्सउर और बाद में पुसाउरफिर पुसौर हुआ। 14 सितम्बर 2014 को उच्च शिक्षा विभाग द्वारा स्थापित महाविद्यालयका नामकरण वर्ष 2018 से विष्णुचरण गुप्ता शास.महाविद्यालयपुसौर रखा गया।

शालेय शिक्षा प्राप्ति के दौरान विद्यार्थियों को आरंभिक ज्ञानार्जन के लिए प्रेरित करना प्रमुख उद्धेश्य रहता है- अक्षर ज्ञान, शब्द एवं वाक्य योग, व्याकरण गणित, समाज विज्ञान आदि विषयों का आरंभिक ज्ञान प्रदान करते हुए व्यक्तित्व विकास का लक्ष्य महत्त्व रखता है। महाविद्यालयीन शिक्षा के दौरान व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास ज्ञानार्जन के साथ-साथ अभिव्यक्ति क्षमता का विकास, जातांत्रिक मूल्यों के प्रति विश्वास आदि के साथ कर्म क्षेत्र की सच्चाई से परिचित कराने जैसे अनेक उद्धेश्य होते हैं। महाविद्यालय पत्रिका "अभिव्यक्ति" के माध्यम से बच्चो की सृजनात्मक प्रतिमा को प्लेटफार्म देने का प्रयास भी महत्वपूर्ण है, नवांकुरो को पल्लवित होने के लिए सृजनात्मक वातावरण देना महाविद्यालय परिवार की जिम्मेदारी है और उम्मीद है कि बच्चे स्वयं को अभिव्यक्त करने में पीछे नहीं रहेंगे।

किसी भी महाविद्यालय की प्रगति का मुकुट होती है पत्रिका और होती है सांस्कृतिक क्रिया- कलापों का सप्तरंगी इन्द्रधनुष "तमसो मा ज्योतिर्गमय" का चिरन्तर नाद अविराम गति से झंकृत करता है।हो सकता है इसमें निहित सृजनात्मक अभिव्यक्ति के विविध आयामों का सौष्ठव एवं परिपक्वता का अभाव हो, इसमें त्रुटियां हो परन्तु संभावनाओं की सुरभि को अस्वीकार नहीं किया जा सकता। नव रचनाकारो का प्रथम् नव प्रयास बुद्धिजीवियों की समालोचनात्मक प्रेरणा एवं प्रशंसा की अपेक्षा रखता है। मैं आभारी हूँ हृदय से इस महाविद्यालय के संरक्षक एवं पूर्व प्राचार्य- डॉ. एस. एल. सोमवाने का जिनके आशीर्वाद ने संबल प्रदान करते हुए हमे सतत् लगन व परिश्रम से सफलता प्राप्ति के मूल मंत्र प्रदान किये। मैं आभार व्यक्त करता हूँ उन तमाम महानुभावो का जिन्होंने शुभ संदेश के माध्यम से महाविद्यालय के समस्त प्रध्यापको, सहयोगियों का मनोबल बढ़ाया विद्यार्थी रचनाकारों जिनके अथक प्रयास एवं सहयोग से महविद्यालयीन पत्रिका अभिव्यक्ति का प्रथम अंक आप सब के हाथों में समर्पित करते हैं।

"हर मेहनत का फल मिलता है,
आज नहीं तोकलमिलता है।"

श्री श्रीबच्छ भोय

उमेश पटेल
मंत्री
छत्तीसगढ़ शासन
उच्च शिक्षा, कौशल विकास,
तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार,
विज्ञान और प्रौद्योगिकी,
खेल एवं युवा कल्याण विभाग

मंत्रालय कक्ष क्रमांक- M1-12, महानदी भवन,
अटल नगर, रायपुर 492002 (छत्तीसगढ़)
फोन : 0771-2510316, 2221316
नि. : D-1/2, शास. आवासीय परिसर,
देवेन्द्र नगर, रायपुर
फोन : 0771-2881030
ग्राम व पोस्ट नंदेली, जिला-रायगढ़
कार्यालय: 70004-77747

क्रमांक ....0532/MINISTER/CG/KHS/GOVT/2023 दिनांक ....24/05/2023.......

शुभकामना संदेश

मुझे यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि विष्णुचरण गुप्ता शासकीय महाविद्यालय पुसौर द्वारा महाविद्यालयीन पत्रिका **"अभिव्यक्ति"** का संपादन किया जाना एक सराहनीय पहल है।

इस प्रत्रिका में शिक्षकों के ज्ञानवर्धक लेख समाज का पथ आलोकित करेंगे और छात्राओं की रचनाएं उनकी सृजनात्मकता व अभिव्यक्ति कौशल का विकास करेगी। निश्चित रूप से यह पत्रिका महाविद्यालय के विकास को प्रदर्शित करता हुआ अकादमिक आईना होगा।

पत्रिका के प्रकाशन हेतु अग्रिम बधाई और छात्राओं के उज्जवल भवष्यि की शुभकामनाएं...

(उमेश पटेल)

प्रति,

प्राचार्य
विष्णुचरण गुप्ता शासकीय महाविद्यालय पुसौर
जी.ए.डी. कॉलोनी के पास, पुसौर
जिला रायगढ़ (छ.ग.)

प्रकाश नायक
विधायक
16, रायगढ़ (छत्तीसगढ़)
उपाध्यक्ष
छ.ग. राज्य ग्रामीण एवं
अन्य पिछड़ा वर्ग विकास प्राधिकरण
(राज्यमंत्री दर्जा)

रायगढ़ निवास एवं कार्यालय : 3-4, गजानंदपुरम,
रायगढ़ (छ.ग.) 496001
रायपुर निवास : ई 7, पंचशील, कटोरा तालाब,
रायपुर (छ.ग.) 492001
मोबाईल : 9406157294, 9300757294
कार्यालय दूरभाष : 07762-355811
ई-मेल : prakashnaikmlaraigarh@gmail.com

रायगढ़, दिनांक–13.05.2023

शुभकामना संदेश

मुझे यह जानकर हार्दिक प्रसन्नता हुई कि विष्णुचरण गुप्ता शासकीय महाविद्यालय पुसौर, जिला–रायगढ़ (छ.ग.) द्वारा वार्षिक पत्रिका ''अभिव्यक्ति'' का प्रकाशन किया जा रहा है। इस पत्रिका के माध्यम से विद्यार्थियों को अपनी मौलिक प्रतिभा के उन्नयन का अवसर प्राप्त होगा तथा उनके रचनात्मक व्यक्तित्व का विकास होगा

महाविद्यालय परिवार को मेरी ओर से हार्दिक बधाई एवं असीम शुभकामनाएं। साथ ही मैं सभी शिक्षकों एवं छात्र/छात्राओं की उज्जवल भविष्य की कामना करता हूं।

भवदीय

प्रकाश नायक
विधायक
16, रायगढ़ (छ.ग.)

शहीद नंदकुमार पटेल विश्वविद्यालय, रायगढ़ (छत्तीसगढ़)
SHAHEED NANDKUMAR PATEL VISHWAVIDYALAYA, RAIGARH (CHHATTISGARH)

प्रो. (डॉ.) ललित प्रकाश पटैरिया
कुलपति

PROF. (DR.) LALIT PRAKASH PATERIYA
Vice Chancellor

पत्र क्रमांक / 109 / कुलपति सचिवालय

रायगढ़, दिनांक 15 अप्रैल 2023

—: शुभकामना संदेश :—

अत्यंत हर्ष का विषय है, कि विष्णुचरण गुप्ता शासकीय महाविद्यालय, पुसौर द्वारा छात्र–छात्राओं की सृजनात्मक और संवेदनशील अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से महाविद्यालयीन वार्षिक पत्रिका "अभिव्यक्ति" के प्रथम अंक का प्रकाशन किया जा रहा है। यह पत्रिका विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभा एवं अभिव्यक्ति क्षमता को विकसित करने में ऐसी पत्रिकाओं की महत्वपूर्ण भूमिका होती है तथा छात्र–छात्राओं में सांस्कृतिक एवं साहित्यिक रूचि पैदा करने एवं बौद्धिक रचनाशीलता का मार्ग प्रशस्त करने में लाभकारी होगी।

महाविद्यालयीन वार्षिक पत्रिका "अभिव्यक्ति" के सफल प्रकाशन हेतु हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ।

प्रो. (डॉ.) ललित प्रकाश पटैरिया
कुलपति

प्रति,
प्राचार्य,
विष्णुचरण गुप्ता शासकीय महाविद्यालय,
पुसौर, जिला:– रायगढ़ (छत्तीसगढ़)

पता : शहीद नंदकुमार पटेल विश्वविद्यालय, गढ़उमरिया, ओडिशा रोड, रायगढ़ (छत्तीसगढ़) 496001
दूरभाष : +91 9425227163
ईमेल : vcsnpv@gmail.com
वेबसाइट : www.snpv.ac.in

Address : Shaheed Nandkumar Patel Vishwavidyalaya, Garhumaria, Odisha Road, Raigarh (Chhattisgarh) 496001
Phone : +91 9425227163
E-mail : vcsnpv@gmail.com
Website : www.snpv.ac.in

तारन प्रकाश सिन्हा

आई.ए.एस.

कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी

कार्यालय कलेक्टर, रायगढ़ (छ.ग.)

दूरभाष क्रमांक : 07762 222103 (का.)

: 222101 (नि.)

फैक्स : 07762 222291 (का.)

: 222101 (नि.)

ई-मेल : raigarh.cg@nic.in

अर्द्ध शा. पत्र क्र. :

रायगढ़, दिनांक : 04/05/2023

शुभकामना संदेश

यह अत्यन्त हर्ष का विषय है कि जिला रायगढ़ के तहसील पुसौर में विष्णुचरण गुप्ता शासकीय महाविद्यालय, विभिन्न स्तरों पर प्रगति हेतु निरंतर प्रयासरत है। महाविद्यालय द्वारा इस वर्ष *"अभिव्यक्ति"* पत्रिका का प्रकाशन किया जा रहा है। विद्यार्थियों में इस पत्रिका के माध्यम से आदर्श चरित्र एवं राष्ट्रीय भावना का विकास होगा, साथ ही वे समाज के नव–निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएँगे।

इसी विश्वास के साथ आपकी सफलता की मंगल कॉमना करते हुए, आगामी सत्र में होने वाले नैक मूल्यॉकन हेतु शुभकॉमनाएं प्रेषित करता हूॅ।

Taran

(तारन प्रकाश सिन्हा)

प्रति,

डॉ. एस. एल. सोनवाने,
प्राचार्य,
विष्णुचरण गुप्ता शास.महाविद्यालय,
पुसौर, ,
रायगढ़ (छ.ग.)

कार्यालय प्राचार्य, कि. शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय रायगढ़ (छ.ग.)
(अग्रणी महाविद्यालय)
फोन / फैक्स न.–07762–222966, E-mail-kgcraigarh1958@gmail.com Website:www.kgcollegeraigarh.ac.in

क्रमांक /127 /2023 रायगढ़, दिनांक– 11 /05/2023

शुभकामना संदेश

अत्यंत हर्ष का विषय है कि आपकी महाविद्यालयीन पत्रिका 'अभिव्यक्ति' पहली बार अभिव्यक्त होने जा रही है। यह पत्रिका समस्त छात्र-छात्राओं के व्यक्तित्व- विकास, ज्ञानार्जन और कलात्मक प्रतिभाओं की वृद्धि में सहायक सिद्ध होगी तथा इसके माध्यम से विद्यार्थी वर्ग को अपनी साहित्यिक अभिरुचियों के प्रकाशन के लिए स्थायी आधार प्राप्त होगा। मुझे विश्वास है कि यह इस अंचल के साथ ही राष्ट्रीय फलक पर भी अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित करेगी।

इस अवसर पर मैं पूरे महाविद्यालय परिवार को हार्दिक बधाई और अशेष शुभकामनाएँ देती हूँ।

(डॉ. पी. बी. बैस)
प्राचार्य
कि. शास. कला एवं विज्ञान महाविद्यालय,
रायगढ़ (छ.ग.)

प्रति,

प्राचार्य
विष्णुचरण गुप्ता शासकीय महाविद्यालय
पुसौर, जिला- रायगढ़ (छ.ग.)

ऋतेश थवाईत

अध्यक्ष

नगर पंचायत पुसौर

जिला–रायगढ़ (छ.ग.)

क्रमांक : ....172........ दिनांक : 04.05.2023..........

// शुभकामना संदेश//

रायगढ़ जिले के पुसौर तहसील में स्थित विष्णुचरण गुप्ता शासकीय महाविद्यालय ऐसा महाविद्यालय है जो उत्तरोत्तर प्रगति करता आ रहा है। पत्र –पत्रिकाओं के माध्यम से महाविद्यालय में समय– समय पर आयोजित विभिन्न सॉस्कृतिक गतिविधियों की जानकारी प्राप्त होती रहती है। यह जानकर अत्यंत हर्ष होता है कि यह महाविद्यालय शैक्षणिक क्षेत्र में उत्कृष्ट है, जिसका प्रमाण विश्वविद्यालय स्तर पर निरंतर स्थान बनाते विद्यार्थियों की संख्या से मिलता है। इसके साथ ही यह महाविद्यालय विद्यार्थियों के बौध्दिक विकास के साथ–साथ उनके व्यक्तित्व के विकास के लिए भी निरंतर प्रयासरत है।

इस वर्ष महाविद्यालय द्वारा वार्षिक पत्रिका ,, अभिव्यक्ति,, का प्रकाशन किया जा रहा है। यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता हुई निश्चित ही यह पत्रिका महाविद्यालय के उद्देश्यों, कार्यों एवं विद्यार्थियों की सृजनात्मकता को प्रदर्शित करेगी।

मै महाविद्यालय द्वारा पत्रिका प्रकाशन किए जाने पर महाविद्यालय के प्राचार्य एवं सभी प्राध्यापकगणों सहित विद्यार्थियों को शुभकामनाएं प्रेषित करता हूॅ।

प्रति,

डॉ. एस. एल. सोनवाने
प्राचार्य
वि.च.गु.शासकीय महाविद्यालय
पुसौर, जिला – रायगढ़ (छ.ग.)

ऋतेश थवाईत
अध्यक्ष
नगर पंचायत पुसौर
जिला – रायगढ़ (छ.ग.)

किशोर कसेर
(एम.ए.राजनीति विज्ञान)
पार्षद वार्ड क्रमांक – 01
पूर्व अध्यक्ष
नगर पंचायत पुसौर

काँजी हाऊस मोहल्ला, पुसौर वार्ड–15
जिला–रायगढ़ (छ.ग.)
दूरभाश : 07762–262940 (नि.)
मोबा : 094241–63209
जिला – रायगढ़ (छ.ग.)

// शुभकामना संदेश //

विचारों का प्रकाशन और व्यक्तित्व के समायोजन के लिए अभिव्यक्ति एक मुख्य साधन है। इसके द्वारा मनुष्य अपने मनोभावों को प्रकाशित करता है तथा अपनी भावनाओं को रूप प्रदान करता है।

लेखन अभिव्यक्ति का एक माध्यम है, जिस प्रकार व्यक्ति बोलकर अपनी भावनाओं तथा विचारों को दूसरों तक पहुंचाता है, उसी प्रकार लेखन भी अपने विचार विनिमय का एक माध्यम है। मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि महाविद्यालय के साहित्यिक प्रकोष्ठ द्वारा ''अभिव्यक्ति'' नामक पत्रिका का प्रकाशन किया जा रहा है जिसमें लेखन के माध्यम से विचारों का विनिमय होगा। हमारे संविधान में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता है। अतः मैं आशा करूंगा कि इस पत्रिका में जो भी छात्र/छात्रा/प्राध्यापक अपना लेख व अन्य साहित्यिक सामग्री लिख रहे हैं वो अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के तहत निर्भय होकर अपने विचारों व मनोभावों को प्रकट करेंगे।

मैं इस पत्रिका के प्रकाशन हेतु महाविद्यालय परिवार को अपनी मंगलमय शुभकामनाएं प्रेषित करता हूँ। पत्रिका के साहित्यिक लेख निश्चित ही हमारे विद्यार्थियों व समाज के लिये पठनीय व अनुकरणीय सिद्ध होंगे।

प्रति,
डॉ. एस. एल. सोनवाने
प्राचार्य
वि.च.गु.शासकीय महाविद्यालय
पुसौर, जिला–रायगढ़ (छ.ग.)

किशोर कसेर
अध्यक्ष
वि.च.गु.शासकीय महाविद्यालय
पुसौर, जिला–रायगढ़ (छ.ग.)

प्राचार्य की कलम से....

वर्ष 2014 के सितंबर माह में स्थापित इस नवीन महाविद्यालय का सत्र 2022-23 अनेक विशिष्ट अनुभवों, रचनाओं एवं उपलब्धियों से परिपूर्ण रहा है । यह सत्र महाविद्यालय के इतिहास का वह स्वर्णिम अध्याय है जहाँ उसे अपने पठन पाठन के निर्बाध संचालन हेतु नवीन भवन की प्राप्ति हुई। भवन के अभाव में भले ही कुछ कठिनाइयों का सामना करना पड़ा पर नवीन भवन की प्राप्ति के पश्चात महाविद्यालय अपने नए कीर्तिमान की स्थापना में निरंतर अग्रसर हो रहा है। इसी क्रम में इस वर्ष महाविद्यालय में बैडमिंटन ग्राउंड,वॉलीबॉल ग्राउंड,गर्ल्स कॉमन रूम,आईसीटी रूम जैसी बुनियादी आवश्यक चीजों की व्यवस्था की गई। इस सत्र में विभिन्न शैक्षणिक एवं क्रीड़ा गतिविधियों में महाविद्यालय का पूर्णरूपेण प्रतिनिधित्व रहा। महाविद्यालय के तीन विद्यार्थियों महिमा यादव (महिला खो-खो),मनीष पटेल (बैडमिंटन) एवं डिकेश साव ने क्रिकेट के राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेकर महाविद्यालय का वर्चस्व स्थापित किया। इस सत्र में महाविद्यालय की और उपलब्धियाँ रही महाविद्यालय के कला संकाय के बी.ए. अंतिम वर्ष में अध्ययनरत विद्यार्थी उमाशंकर उरांव का भारतीय सुरक्षा बल में चयन होना साथ ही सत्र 2021-22 के कला संकाय की छात्रा कु. संध्या प्रधान का विश्वविद्यालय प्रावीण्य सूची में प्रथम स्थान प्राप्त करना। सूचना प्रौद्योगिकी के बढ़ते प्रभाव का लाभ उठाते हुए इस वर्ष महाविद्यालय के प्राध्यापकों द्वारा विद्यार्थियों को प्रोजेक्टर के माध्यम से नवीन तकनीकों का उपयोग कर अध्यापन कार्य सम्पन्न कराया गया। साथ ही विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न विषयों पर अपने पीपीटी का प्रस्तुतीकरण दिया गया। महाविद्यालय में प्रत्येक वर्ष के समान ही इस वर्ष भी नव प्रवेशित विद्यार्थियों का स्वागत एवं अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों के विदाई समारोह आयोजित हुए। सत्रांत में वार्षिकोत्सव का आयोजन भी हुआ जिसमें बीए,बीकॉम एवं बी.एस.सी. सत्र 2021- 22 के अंतिम वर्ष में महाविद्यालय प्रावीण्य सूची में प्रथम स्थान प्राप्त विद्यार्थियों, खेलकूद में महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व करने वाले विद्यार्थियों सहित वर्षभर महाविद्यालय में आयोजित विभिन्न सांस्कृतिक एवं अकादमी गतिविधियों में प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। महाविद्यालय में प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा एवं वार्षिक परीक्षा सहित महाविद्यालय में संचालित पंडित सुंदरलाल शर्मा मुक्त विश्वविद्यालय की परीक्षाओं का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। उक्त सभी कार्यों में महाविद्यालय के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों की भूमिका सहयोगात्मक रही जो सराहनीय है।

महाविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण का कार्य,परिसर का समतलीकरण, विज्ञान संकाय के तीनों प्रयोगशालाओं को व्यवस्थित करने का कार्य, महाविद्यालय की साजसज्जा का कार्य उल्लेखनीय रहा।

पत्रिका में विद्यार्थियों की रचनात्मकता एवं सृजनात्मकता को बढ़ावा देने एवं उन्हें सामने लाने के लिए विभिन्न विषयों पर जैसे-देश प्रेम,मानवीयमूल्य, महिला जागरूकता, शिक्षक-विद्यार्थी जीवन, प्रेरणादायक आदि विषयों पर विद्यार्थियों से लेख आमंत्रित किए गए जिसमें लगभग 30 से अधिक विद्यार्थियों ने अपना लेख प्रस्तुत किया। महाविद्यालय पत्रिका प्रकाशन समिति द्वारा निरीक्षण करने के पश्चात् प्राप्त लेखों का चयन किया गया जिनका प्रकाशन पत्रिका में होना है। यह अत्यंत गौरव एवं प्रसन्नता का विषय है कि महाविद्यालय के प्रत्येक कार्य कि भांति ही महाविद्यालयीन पत्रिका "अभिव्यक्ति" के प्रकाशन कार्य को प्रारंभ करने में महाविद्यालय के सभी प्राध्यापकों कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों की सतत भूमिका रही। महाविद्यालय के समस्त अधिकारियों, कर्मचारियों एवं प्रिय छात्र छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए सुनहरे भविष्य की आकांक्षा।

प्राचार्य

प्रो. पतरस किंडो

ईश्वर द्वारा रचित इस दुनिया में एक नन्हें से बीज का प्रादुर्भाव इस आशा से होता है कि उसे उर्वर भूमि में बोया जाएगा और उसकी स्वस्थ परवरिश की जायेगी ताकि एक दिन वह नन्हा सा बीज विशाल वृक्ष बनकर दुनिया को लाभान्वित करे एवं अपने होने की सार्थकता को सिद्ध करे।

एक बच्चे को भी वही ईश्वर इस दुनिया में उसी उम्मीद से भेजता है कि समाज रुपी भूमि में उसकी स्वस्थ परवरिश होगी ताकि एक दिन वह भी **" सम्पूर्ण मानव "** बन सके और ईश्वर की इस अनमोल कृति – संसार – को अधिक सुखमय बना सके।

आज की इस **"बाजार"** रुपी दुनिया में हमारे ये बच्चे सम्पूर्ण मनुष्य न बनकर बाजार के **"संस्कार विहीन डिग्रीधारी सामान"** बनकर शिक्षण संस्थाओं से निकल रहे हैं। फलस्वरुप हम और हमारे परिवार भी **" बाजार "**बनते जा रहे हैं और यह दुनिया अधिक दुखमय होती जा रही है।

ऐसा इसलिए हुआ कि साहित्य को हमने पुस्तकों के चन्द पन्नों तक सीमित कर अपने जीवन से अलग कर दिया और ऐसा कर हमने इस उक्ति को चरितार्थ कर दिया **" साहित्य के बिना मनुष्य सींग एवं पूँछ विहीन पशु के समान है "।**

"अभिव्यक्ति" रुपी महाविद्यालयीन पत्रिका के रूप में हमने साहित्य रुपी संस्कार के बीज को बोया है। मुझे आशा ही नहीं वरन पूर्ण विश्वास है कि आने वाले वर्षों में यह बीज अंकुरित , पल्लवित होकर एक वट वृक्ष बनेगा जिसकी घनी छाया में हमारा यह प्यारा महाविद्यालयीन परिवार संस्कारित होता रहेगा और विशेषकर हमारे छात्र – छात्राओं के व्यक्तित्व विकास में उल्लेखनीय योगदान कर उन्हें **" सम्पूर्ण मानव "** बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।

विष्णुचरण गुप्ता शासकीय महाविद्यालय की वार्षिक पत्रिका **"अभिव्यक्ति"** का यह प्रथम अंक आप सब के कर कमलों में देते हुए मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। इस प्रथम अंक में नोडल अधिकारी के रूप में आप सब को संबोधित करने का शुभ अवसर मुझे प्राप्त हुआ – इसे मैं अपना सौभाग्य समझता हूँ।

उम्मीद है कि हमारा यह महाविद्यालयीन परिवार इस पत्रिका के नाम के अनुरूप अपने विचारों –भावनाओं एवं संवेदनाओं का मंथन करेगा एवं उसकी **"अभिव्यक्ति"** इस पत्रिका के रूप में निरंतर होती रहेगी।

इस अंक को आप सब तक पहुंचाने में हमारे प्राध्यापकीय परिवार की सबसे छोटी सदस्या कु.शिवानी शर्मा , सहायक प्राध्यापक (राजनीति विज्ञान) की उल्लेखनीय भूमिका के लिए मैं उन्हें साधुवाद देता हूँ। यह उनके ही अथक प्रयासों एवं व्यक्तिगत रुचि का सुखद परिणाम है कि संस्था के विगत नौ वर्षों के इतिहास में पहली बार यह पत्रिका अस्तित्व में आ पाई। इसका श्रेय तो उन्हें सहज ही जाता है।

प्राचार्य डॉ.एस.एल.सोनवाने सर के कुशल निर्देशन एवं सहयोग के लिए हम सब आभारी हैं। सम्पादक मंडल की सम्पूर्ण टीम को उनके सार्थक प्रयासों के लिए मैं उन्हें हार्दिक धन्यवाद् ज्ञापित करता हूँ।

"अभिव्यक्ति" का यह प्रथम अंक महाविद्यालय के समस्त भूतपूर्व छात्र – छात्राओं (ALUMNI) को समर्पित है जिन्होंने तमाम विपरीत परिस्थितियों में रहकर भी बिना किसी शिकवा शिकायत के सफलतापूर्वक अध्ययन किया और आज समाज में महाविद्यालय के नाम को रौशन कर रहे हैं।

-

डॉ.सरोज कुमार
सहा.प्राध्यापक (रसायन शास्त्र)

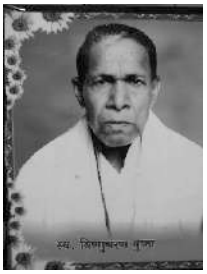

जन्म-1928 मृत्यु-2009

विष्णुचरण गुप्ता जी का जीवनवृत

जन्म समृद्धशाली केनसरा के प्रतिष्ठित मालगुजार महादेव गुप्त ओरस से रियासत रायगढ़ प्रांत में छत्तीसगढ़ में हुआ। बचपन का नाम घसिया था। ारंभिक शिक्षा प्रारंभ होते ही नाम में बदलाव आया विष्णु प्रसाद गुप्त। प्राथमिक शिक्षा ग्राम तेतलातदन्तर रायगढ़ रियासत के नटवर हाई स्कूल में शिक्षा ग्रहण, शिक्षा का माध्यम अंग्रेजी। दसवी के शिक्षार्थी काल 1945 में असामयिक प्रिय पिता श्री महादेव गुप्त की तरफ से शोकसागर से संतापित होकर पढ़ाई छोड़ी गांव और घर संभालने के लिए केनसरा का मालगुजार पद ग्रहण किया घर का कृषि कार्य देखते हुए गांव सुधार हेतु पहला कदम उनका था "समाज सेवा समिति" का गठन इस संगठन के बल पर शराब ,जुआ ,लड़ाई झगड़ा,छुआछूत धीरे धीरे दूर होता गया। दूसरा कदम था नैतिक शिक्षा। सांस्कृतिक धरोहर को जीवित रखने के लिये ज्ञान विज्ञान,आध्यात्मिक शक्ति, अर्जन के वेद दर्शनशास्त्र स्मृति ग्रंथ,नीती श्लोक,रामायण महाभारत 12 स्कंद का एक अमूल्य पुस्तकों का भंडार संचालन किया। इन पुस्तकों के अध्ययन से पहली, दूसरी पढ़ें युवा वर्ग गांव गांव में भाषण वचन वाद विवाद करना सीख गए।इस मध्य युवा पुत्र सुरेश गुप्त का 18 वर्ष में देहांत हो गया। एक मात्र पुत्र के शोक से व्याकुल दिव्यमन विक्षिप्त रूप धारण कर लिया। तीन वर्ष तक लगभग उनकी मनोदशा प्रतिकूल ही रहा, कब क्या कर बैठे इस कारण से मित्रवर्ग गांवों के व्यक्ति ,परिवार जन कोई न कोई उनके साथ रहते ही थे। इसी दुखद घड़ी में आर्य समाज के वेद वेदांग उच्चकोटि के विद्वान , साधु संत ऋषि महर्षि स्वामी ब्रम्हानंद सरस्वती,वेदव्यासवैदिक आश्रम के संस्थापक, स्वामी धर्मानंदसरस्वती गुरूकुल आमसेना के तिष्ठाता,गुरूकुल विश्वविद्यालय हरिद्वार के प्राचार्य श्री योगेन्द्र पाल शास्त्री का सांनिध्य केनसरा के ब्रम्ह यज्ञ में आए पुरोहित श्री रामानंद आचार्या व्याकरण तीर्थ,बाल गंगाधर शास्त्री आदि के सत्संग से दिव्य बुद्धि का अभ्युदय होकर राग द्वेश शोक हर्ष विषाद का छेद । इसलिए शास्त्र का कथन है इच्छा द्वेश सुख दुख की दौड़ आंधी है सत्कर्म ,सत्संग एवं सेवा के द्वारा इसे तिरोहित किया जा सकता है। इस नीती के अनुसार साधु संतों के ज्ञान से अज्ञान अंधकार धीरे धीरे हटता गया और दिव्य गुणों से संयु होकर समाज सेवा समिति राजनीति में, माननीय रामकुमार अग्रवाल रायगढ़,माननीय पूर्णचंद गुप्ता, हेमसुंदर गुप्ता महापल्ली चतुर्भुज पंडा के साथ पदार्पण किए। अपने जीवन में श्रीराम कुमार जी के नेतृत्व में कई लोगों को नौकरी दी। अनेक प्राइमरी स्कूल मिडिल स्कूल, हाईस्कूल की स्थापना कई पशु औषधालय, आयुर्वेदिक औषधालयों वाचनालय की स्थापना की। श्री राम कुमार अग्रवाल इनके राजनीति के श्रेष्ठ गुरू हैं श्रेष्ठ ऐश्वर्यवान् गुरू के श्रेष्ठ शिष्यता इन्होंने निभाया। विकासखंड पुसौर के जनपद के थम अध्यक्ष काल में सैकड़ों विकास के कार्य संपादित कीय, इनके कार्यकाल में विकास कार्य में गुणवत्ता थी । इनके कार्यकाल में रंच मात्र भी भ्रष्टाचार का गंध नहीं था। जवानी से मरण पर्यन्त इनके विरोध में कहीं भी उँगली नहीं उठी। आध्यात्मिक चिंतन साया के समान इनके साथ रहा जो आगे इनके जीवन को धन्य बनाने में सहायक हुआ। स्वाध्याय इनका जीवन का एक अभिन्न अंग बन गया और इसी के बल पर ये प्रयाग विश्वविद्यालय से साहित्य रत्न की उपाधि प्राप्त की बंगला भाषा इनका मुख्य विषय था। मातृभाषा में महारत हासिल करने के उपरांत अध्यात्मिक और गुड दर्शन शस्त्र, गहन अध्ययन कर भारतीय आर्य विद्या परिषद संस्थान अजमेर से विद्या वाचस्पति उपाधि से विभूषित हुएईशोपनिषद, श्नोपनिषद,यजुर्वेद इनका कंठस्थ था। इस भांति ज्ञान अर्जन करते करते धीरे धीरे मन एवं आत्मा पवित्रता की ओर अग्रसर होकर प्रभु की सेवा में रत रहने लगे गृह में ब्रम्ह यज्ञ देव यज्ञ अतिथि यज्ञ करते रहे। ईश्वर के ऊपर उनका अटूट श्रद्धा एवं विश्वास था इनका मुख्य कारण था एक मात्र पुत्र सुरेश का निधन से पुत्रहीन होना।पुनःसंतों के आशीर्वाद महामृत्युंजय जाप गायत्री मंत्र जाप एवं यज्ञ के द्वारा इन्हें छह पुत्रियो एवं दो पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई दुर्गेश कुमार एवं बृजेश कुमार इन्हें पाकर उनका जीवन सुखमय और सतत शांति से व्यतीत होने लगा, चलती उम्र में इन्हें जो सुख शांति प्राप्त हुई ऐसा गिने लोग ही इसे पाते हैं। उन्होंने अपने जीवन में किंचित भी दुख का आभास नहीं किया जो सेवा इन्हें प्राप्त हुआ अपने पुत्रों से बहुओं से परिवारों से वह अनिर्वचनीय दुर्लभ प्रशंसनीय था। उन्होंने अपने जीवन पर्यंत परिवार को जो दाशोगांवों में बसे हैं कभी भी बिखरने नहीं दिया सबके प्रति समान भाव समान प्रेम ,समान संबंध बनाए रखा। गांव केनसरा को भी एक सूत्र में परिवार के सहयोग से बांध कर रख दिया था इसी कारण ये जीवन में सदैव सफलता प्राप्त करते रहे जो हमारे सबके लिए अनुकरणीय ,धारणी एवं प्रशंसनीय है।

VISION AND MISSION OF THE INSTITUTION

VISION :

"To transform the young minds of socio-economically- educationally weaker sections of the rural area by providing Quality Education for Achieving Human Potentials to make the society better."

MISSION:

- Encouraging the students to enroll in higher studies.
- Guiding and supporting the students to complete the course.
- Affording to reduce the number of dropout students.
- Motivating the students to become self-reliant.
- Developing Required Infrastructure For Quality Learning.
- Collaborating with the Local Institutions for the Development of the surrounding.
- Promoting the National and Traditional values among the students.

महाविद्यालय की विलक्षणता प्रार्थना

प्रार्थना या असेंबली की जो प्रथा है वो पारंपरिक तौर पर विद्यालयों में ही देखी जाती है जब विद्यार्थी कक्षा 12 वीं के पश्चात महाविद्यालयों में प्रवेश करते हैं तो यह प्रथा पूर्णरूपेण वहाँ अनुपस्थित होती है परन्तु शासकीय महाविद्यालय पुसौर की यह विलक्षणता है कि महाविद्यालय के स्थापना वर्ष 2014 से आज तक प्रत्येक दिन असेंबली होती है जिसमें राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत के साथ साथ सामान्य ज्ञान संबंधी अलग अलग विषयों पर चर्चा की जाती है चाहे वो रसायन का पीरियोडिक टेबल हो यह छतीसगढ़ का सामान्य ज्ञान या भारत और विश्व का इतिहास हो सभी पर विस्तार पूर्ण चर्चा होती है ताकि विद्यार्थियों में निर्धारित पाठ्यक्रम के अतिरिक्त अन्य सामान्य विषयों का भी ज्ञान मिलता रहे साथ ही यह एक बहुत अच्छा माध्यम है सामूहिक तौर पर सभी संकायों के विद्यार्थियों को प्राध्यापकों से एक साथ जोड़ने का।

नवीन भवन प्रवेश सितम्बर 2022

अपनों से अपनी बात

जन भागीदारी समिति मीटिंग

एलूमिनी मीट

महाविद्यालय की अनूठी पहल
"मिल जुल के पढ़बो, नवा छत्तीसगढ़ गढ़बो"

शिक्षक अभिभावक वार्ता 2022-23

राष्ट्रीय पर्व का आयोजन

15 अगस्त 2022

26 जनवरी 2023

करियर मार्गदर्शन पर आयोजित कार्यशाला

सीईओ महेश पटेल जी द्वारा करियर मार्गदर्शन

सीईओ महेश पटेल जी द्वारा प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी हेतु पुस्तक दान

तहसीलदार पुसौर द्वारा महाविद्यालय के छात्र छात्रों को मार्गदर्शन

महत्वपूर्ण दिवसों पर आयोजित कार्यक्रमों में विद्यार्थियों की सहभागिता

अग्रणी महाविद्यालय में कुलउत्सव के द्वितीय स्तर पर सुआ नृत्य का प्रस्तुतिकरण देती छात्रायें

संविधान दिवस पर प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों द्वारा शपथ ग्रहण

विश्व एड्स दिवस पर साइंस क्लब द्वारा जागरूकता संबंधी व्याख्यान का आयोजन

विष्णुचरण गुप्ता शासकीय महाविद्यालय पुसौर, रायगढ़

सत्र भर में विभागों की गतिविधियाँ - क्रीड़ा विभाग

सेक्टर स्तरीय महिला खो-खो प्रतियोगिता खरसिया

सेक्टर स्तरीय महिला कबड्डी प्रतियोगिता तमनार

पुरुष क्रिकेट प्रतियोगिता कि.शास. महा. रायगढ़

पुरुष बॉलीबॉल प्रतियोगिता

पुरुष बैडमिंटन प्रतियोगिता सारंगढ़

कोशिश कर हल निकलेगा

कोशिश कर हल निकलेगा ।
कोशिश कर हल निकलेगा ।।
आज नहीं तो कल निकलेगा ।
अर्जुन के तीर सा साध ।।
मरूस्थल में भी जल निकलेगा ।
मेहनत कर,पौधो को पानी दे।।
बंजर जमी से भी फाल निकलेगा ।
ताकत जुट,हिम्मत को आग दे ।।
फौलाद का भी बल निकलेगा ।
जिन्दा रख मन में उम्मीदों को।।
गरल के समंदर से भी गंगाजल निकलेगा ।
कोशिस जरी रख ,कुछ कर गुजरने की ।।
जो आज है थमा- थमा सा,चल निकलेगा ।

दीपिका पंडा
बी.एस.-सी तृतीय वर्ष

गुरु का ज्ञान

सत्य और न्याय पर हमे
चलना सिखाया गुरूओं ने
असत्य और अन्याय से हमें
लड़ना सिखाया गुरूओं ने
स्वयं की इच्छा त्याग कर
इच्छा हमारी जगाया है
ज्ञान की बीज हममें बोकर
ज्ञान का फसल उगाया है
भले-बुरे की समझ बताये
सही गलत का बोले अन्तेर
वो हमको न कभी सताए
उनके पास पढ़ाई का मन्तर
विज्ञान से परिचय कराये
ज्ञान की दे परिभाषा वो
हर क्षेत्र में हम उत्तीर्ण हो
रखते ये अभिलाषा वो
गुरू की अच्छाई बनेंगे
छोड़ेंगे न उनका साथ
गुरू की परछाई बनेंगे
याद रखे उनकी हर बात
प्रातः काल हो या निशा में
गुरू की सिक्षा ग्रहण करेंगे
लेके चलते वे सही दिशा में

दिशाा खाम्हारी
बी.कॉम. प्रथम वर्ष

बेटियां

मै बेटी हूं मैं नारी हूं मैं सीता और मैं द्रोपती हूं
पर पुरूषों की इस दुनिया ने मुझे कैसी नियति दिखाई,
अरे कभी हार गये जुए में तो कभी अग्नि परीक्षा दिलाई
कलयुग हो या सतयुग हो इल्जाम मुझी पर आता है
फिर न जाने क्यों कलि अँधेरी सडको पर चलने से मन घबराता है
मै डरती हूं मै मरती हूं जब सफर अकेले करती हू
अरे न जाने ये कोन सा साया न जाने कैसी आहट है
फिर उन अँधेरी रातो में दो बहो ने मुझे खीच लिया
मै बेटी हूं मैनारी हु मै सीता और मै द्रोपती हूं
पर पुरूषो की इस दुनिया ने मुझे कैसी नियति दिखाई,
अरे कभी हार गये जुए में तो कभी अग्नि परीक्षा दिलाई
कलयुग हो या सतयुग हो इल्जाम मुझी पर आता है
फिर न जाने क्यों कलि अँधेरी सड़को पर चलने से मन घबराता है
मै डरती हूं मै मरती हूं जब सफर अकेले करती हूं
अरे न जाने ये कोन सा साया न जाने कैसी आहट है
फिर उन अँधेरी रातो में दो बहो ने मुझे खीच लिया
एक ने मुह पर हाथ रखा तो दुसरे ने आँचल खीच लिया
फिर मरियादा की साडी सीमाओ को तार तार कर डाला
उन अँधेरी सड़को पर मुझे तड़पता छोड़ दिया सबने
तस्वीरे खिची कोई मदद को न आगे आया ,
कोई मदद् करो ,मदद करो ये चीख कर,चीख भी मुझसे रूठ गयी
और जब होस में आई तो सब बातें सुनकर टूट गयी तो सब की
बाते सुनकर टूट गयी परिवार की बदनामी होगी
सबने मुझे यही समझाया ये नए उम्र के लड़के है थोड़ा बहक ही
जाते हैं
दुनिया वाले तुम पर ही प्रश्न उठाएंगे
क्यों गयी थी काली रातों में क्यूँ नहीं था कोई साथ में क्या मुंह पर
मेकप था क्या गहने थे अरे क्या छोटे कपड़े पहने थे

सवालों के इन भूल-भुलईया में अच्छाई सी कहीं खो जाती है ,
सब भूल जाओ सब भूल जाओ कहने वालों
क्या तुम्हे शर्म नहीं आती है
सब भूल जाओ कहने वालो मत भूलो ये गलती
आप के साथ भी हो सकती है
अफ्ले दिन सड़क पर पड़ी बहिन या बेटी आप की भी हो सकती है
और इस दुःख से बढ़कर कोई और दुःख नहीं हो सकता जो नारी
का सम्मान न करे वो पुरूष नहीं हो सकता

पदमन
बी.ए. द्वितीय वर्ष चौहान

POWER OF DESIRE FOR STUDENTS

इस दुनिया में सबसे बड़ी शक्ति इच्छा की होती है। इच्छा ही है जो हमारे मन को इधर उधर भटकती है। इच्छा ही हमें सही राह दिखाती है। यदि इस दुनिया में लोगो के दिलो से इच्छा निकल जाये तो सब कुछ रूक जायेगा । ये इच्छा ही है जो लोगो को भागता है की ये करना है वो करना है । इस इच्छा की शक्ति बहुत होती है। यदि लोगो के दिलो में ये इच्छा उठ जाये की मुझे कुछ ऐसा खोज करना है की आज तक पूरी दुनिया में किसी ने नहीं किया है तो हमे कुछ करने की जरूरत नहीं होगी। इस इच्छा के द्वारा सरे काम अपने आप ही होने लगेंगे। यदि इच्छा बड़ी है तो हमारे अंदर से इतनी ऊर्जा आयेगी की वह उस कम को करा देगी जिस कार के इच्छा हमारे अंदर है उसी कार्फ के थॉट्स हमारे अंदर आते है। यदि हमारी इच्छा से हमारे भविष्य का निर्धारण होता है तो हमे अपनी इच्छा बड़ी रखनी चाहिए ।

"बड़ी इच्छा, बड़े विचार, बड़े विचार, बड़ा आत्मविश्वास, बड़ा आत्मविश्वास, बड़ा कार्य"

सत्यवती चौहान
बी.एस.-सी तृतीय वर्ष

जागरूक मतदाता

हमारा देश भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और इस लोकतंत्र की नींव है यहाँ की आम जनता और उनका अमूल्य वोट, पर अगर मतदाता को मतदान के बारे में चुनाव के बारे में किसी भी कार की जानकारी नहीं होगी तो हम अपने अधिकारों का सही योग नहीं कर पाएंगे और जब हम अपने मताधिकार का सही योग नहीं करेंगे तब लोकतंत्र मजबूत कैसे होगा ? ऐसे कई मुद्धे है जिनमें हमें जागरूक होना बहुत जरूरी है । आज भी देश के कई लोग ऐसे है जिनको मतदान का अधिकार तो मिला है लेकिन वे इसका महत्व नहीं समझते । चुनाव के समय लोगो में उत्साह नहीं होता की अपने घर से निकलकर अपना अमूल्य मत दे सके। कुछ लोग तो यह सोचते हैं की उनके अकेले के वोट से क्या ही फर्क पड़ जायेगा। वो ये नहीं जानते है कि एक वोट जीत या हार का निर्धारण कर सकता है अगर आपकी उम्र 18 वर्ष की है तो आप भी अपना नाम मतदाता सूची में दर्ज करा कर अपने अमूल्य मताधिकार का सही उपयोग कर लोकतंत्र को मजबूती दान कर सकते है।

एक मतदाता जागरूक बनेगा तभी तो अपने मताधिकार का सही उपयोग कर पायेगा ये मतदाता ही है जो लोकतंत्र का भविष्य तय करता है इसलिए हमे एक जागरूक मतदाता की तरह अपना वोट सही व्यक्ति को देना चाहिए। आज भी देश में कई नागरिकों में मतदान को लेकर,चुनाव को लेकर कोई जागरूकता नहीं है जिसके चलते वे अपने मताधिकार का सही इस्तेमाल नहीं कर रहे है जिससे कम वोटिंग होती है और फिर चुनाव में गड़बड़ी की घटना सामने आती है जिससे ऐसे प्रतिनिधि चुने जाते है जो कि योग्य नहीं "बड़ी इच्छा, बड़े विचार, बड़े विचार, बड़ा आत्मविश्वास, बड़ा आत्मविश्वास, बड़ा कार्य" होते है फिर आगे चलकर हम आम जनता की परेशानियों को नजरन्दाज किया जाता है और अप्रत्यक्ष रूप से लुटा जाता है। इसलिए हमे अपने अधिकार का सही उपयोग कर सही व्यक्ति को चुनना चाहिए। वे व्यक्ति जो जाति, धर्म, नस्ल और पैसो के नाम से भड़का कर चुनाव जितने का प्रयास करते है। ऐसे लोगो को अपना अमूल्य वोट देने से बचें और वोट का सही उपयोग करे ।

गायत्री चौहान
बी.एस.-सी तृतीय वर्ष

बस तू कभी हार ना मानना

बस तू कभी हार न मानना
तू बढ़ते चल अपने लख्या की ओर,
न फेर अपनी आंखे कठिनाईयों की ओर,
जब मन घिरा हुआ हो अंधेरो से ,
जलाये रखना दीप अपने मनोबल के ,
यु तो आएंगे विपत्तिय कई ,
इनके आगे घुटने टेकना नहीं,
तेरी ऊँचाई देख वो भी डरेगा,
जब तू अपने सपनो के पंख लगाये उड़ेगा
जवाब देने लगे जब अंतरात्मा,
माता पिता को स्मरण कर लेना
हो भले ही वो तेरे सपनो का बगीचा ,
पर खून पसीने से उन्होंने भी है सींचा
एक कदम और कह कर सहस भर लेना,
बस तू कभी हार न मानना,
बस तू कभी हार न मानना।

आरती साहू
बी.एस.-सी प्रथम वर्ष

मेरा भारत

ये हमारा भारत है महान राजा महराजाओं की जन्मभूमि अनेक महत्वपूर्ण अनुसंधान और अविष्कार करने वाले वैज्ञानिक ज्ञानियों की पृष्ठभूमि ये भारत है । हाँ हमारा भारत देश है जहां मर्यादा पुरूषोत्तम भगवान श्री राम का जन्म हुआ हमें अपनी मर्यादा में रहने पितृ भक्ति   और धर्मपरायण्ता का मार्ग दिखायेगा ये श्री कृष्ण की जन्म भूमि है जहां गोमाता की सेवा पूरी लग्न और निष्ठा से की जाती है। ये महाराणा प्रताप वीर छत्रपति शिवाजी जैसे संत महात्मा तपस्वी ईश्वर तुल्य पूजनीय की धरती है। हाँ ये भारत है जिस पर हर भारतीय गर्व करता है ये भारत है।

किन्तु ये हमारी प्राचीन संस्कृति, हमारी परम्परा,हमारी धर्मपरायणता की भावना देश के प्रति समर्पण सारी धीरे धीरे लुप्त होती जा रही है। ऐसा क्यों ? यह सोचने योग्य और चिंतन का विषय है जिस प्राचीन भारत में गौ को माता समझ कर पूजा करते है ये उसी माँ के प्रति हमारी अगाध स्नेह कहां लुप्त हो गया प्राचीन ग्रंथों में लिखा है गौमाता में भगवान का वास होता है। अब प्रश्न ये उठता है की प्राचीन काल से आधुनिक काल तक आते आते गोमाता परिवर्तित हो गयी या हम ? ये सारे प्रश्न जब मैं अपने आप से पूछता हूँ तो यह मुझे झंझोर कर रख देती है और मै चुप हो जाता हूँ। अगर हम प्राचीन काल को रूढ़िवादी परम्परा समझ कर छोड़ दें तो ईमानदारी,कर्तव्य,और कानून का पालन सिर्फ शब्दों के अतिरिक्त और कहां है ? अभी हाल ही में पुसौर के आदर्श स्कूल में हु, साइबर अपराध के विषय में हु, जागरूकता कार्यक्रम में आई डी.एस.पी. ललिता मेहर मैडम ने जब पूछा की कानून क्या है?तो वह उपस्थित सरे विद्यार्थी चुप रहे फिर उन्होंने उत्तर देते हूँ, कहा कानून वह है जो हमे पसंद नहीं है मुझे ये सुनकर बड़ी हैरानी हुई लेकिन जब मैंने इस पर विचार किया तो मैं भी इसका समर्थन करने लगा ।

जब हम अपने देश के प्रति समर्पण की बात करते है तो कर्तव्य, कानून के विषय में सोचते है तो हमारे वीर जवानों के अतिरिक्त मेरी आँखे धुंधली हो जाति है इसी सम्बन्ध में मुझे एक वास्तविक घटना याद आती है जब एक देश में उधार लेने के सीमा पार हो गई थी तब उसकी अर्थव्यवस्था को अपने पैर पर लेन के लिये वहा के नागरिको ने अपने सोने और चाँदी तक बेच दिए थे यहाँ ५०० -१०० रू के लिए एक दुसरे को ठगने के लिए तैयार बैठे है कुछ रूपयों के लिए गंभीर से गंभीर अपराध करने के लिए नहीं घबराते है ये आधुनिक भारत है ये हमारा देश भारत है

ाचीन भारत को आधुनिक भारत से जोड़ेगे

ईमानदारी, कर्तव्य, नियम, कानून, सिर्फ शब्दों में नहीं हमारे दिल में रहेंगे ।

अतुल गुप्ता
बी.एस.-सी तृतीय वर्ष

विद्यार्थी जीवन

एक मनुष्य के जीवन का सबसे सुनहरा समय तब होता है जब वह एक विद्यार्थी के रूप में अपना जीवन व्यतीत कर रहा होता है क्योंकि विद्यार्थी जीवन ही मनुष्य के जीवन की आधारशिला होती है। अगर खुद को दुनिया की इस भीड़ में गम नहीं होने देना चाहते हो तो खुद को इन किताबों के पन्नो में गम कर लीजिये।अपने हौशले की कलम से जीवन रूपी कोरे कागज पर अपना स्वर्णिम भविष्य लिख लिजिये क्योंकि मानिये वो पन्ने रद्दी कागज के सामान में फेके नहीं जायेंगे ,अपितु गीता और बाईबिल के समान पवित्रता लिए हुए वर्षो तक पढ़े जायेंगे क्योंकि कीमत आपके शब्दों की होती है ,उस कागज के पन्ने की नहीं। दुसरे क्या और क्यों कर रहे है ,उस पर अपना अमूल्य समय व्यर्थ मत करिये।आपकी छोटी-छोटी आदते बड़ा फर्क पैदा कर देती है्अपने जीवन का लक्ष्य निर्धारित करिये ,और उसे प्राप्त करने के लिए हर सम्भव प्रयास करिये।आपके अंदर का सोया हुआ ज्ञान आपके मन में आ रहे हर प्रश्न का उत्तर देने का सामर्थ्य रखता है। खुद से एक प्रश्न पूछिए कि क्या आप अपना सर्वश्रेष्ठ कर रहे है? यदि इसका उत्तर न है ,तो आज से खुद को शारीरिक ,बौद्धिक एवं मानसिक रूप से सक्षम बनाना शुरू कर दीजिये । सब को सब कुछ विरासत में नहीं मिलता । आपके भूतकाल की जीत या हार ही जीवन का सार नहीं है।आपके अंदर असफलता को स्वीकार करने का साहस उत्पन्न करिए ये साहस ही आपको सफलता तक पहुंचायेगा।

संध्या पटेल
बी.कॉम प्रथम वर्ष

भारतीय सैनिक

मेरी दिवाली में उजाले तक का ख्याल नहीं
मेरी होली में रिश्तो का गुलाल नहीं
चाँद हर ईद में उजाला लाता है
मुझे राखी बांधने बस एक लिफाफा आता है।
अपने माँ के पैर छुए मुझे अरसा हो गया
मेरे पिता मेरे इंतजार में बूढ़े हो गये
मेरी पत्नी सिन्दूर लगाके भी कुंवारी लगती है
मई जून में जलती रेट पे लेटे कहता हूँ
सर्दी कम है दिसम्बर की ठण्ड पी के कहता हूँ गर्मी कम है
मै बर्फ में नौ दिन दफन रहकर जिन्दा निकलता हूँ
सीने में अपनी साँस को टुकड़ो में भरता हूँ
क्युकी मै अपने देश से बहुत प्यार करता हूँ।

तिलोतमा निषाद
बी.कॉम द्वितीय वर्ष

कुसुम की कहानी

एक गांव था "सोनपुर" जहा दो माँ बेटी रहते थे "सावित्री और कुसुम" उनका घर नदी के किनारे पर था। एक रोज कुसुम की सावित्री बाजार जा रही थी और उसने कुसुम को कहा की उसके बाजार से आने तक घर में रहे घे से बहार न निकले कुसुम अपनी ,माँ का इंतजार करती रही पर जब उसकी माँ वापस नहीं आई तो कुसुम घर से बहार निकली चलते चलते वह उस गाँव से बहार आ चुकी थी और उसे गाँव वापस जाने का रास्ता नहीं पता था। वह अभी छोटी ही थी

गाँव से बाहर आकार वह एक जंगल में पहुच चुकी थी वह जंगल बहुत भयानक था ,और जब जंगल में शेर के चिल्लाने की आवाज आई जिसे सुनकर कुसुम बहुत दर गयी और एक पेड़ के नीचे बैठकर रोने लगी वह थक गयी थी और उसे भूख भी लग रही थी ,जंगल में लकड़ी काटने के लिए एक आदमी आया था , उसने कुसुम को रोता देख पूछा तो कुसुम से उसे पूरी बात बताई कुसुम ने उससे मदद मांगी वह कुसुम की मदद करना चाहता था लेकिन उसे लकड़ी लेकर जल्दी घर जाना था लकड़ी काटने वाले ने उसे बताया की इस समय और भी लोग यहाँ लकड़ी काटने आते है तुम किसी से भी मदद मांग सकती हो तुम यही पेड़ के निचे बैठी रहो ऐसा कहकर वह व्यक्ति वहां से चला गया। कुसुम पेड़ के नीचे बैठी थी उसी समय एक बुढा आदमी खांसते हुए आया उसे देखकर कुसुम ने उससे सारी बाते कही बुढ़ा आदमी बहुत दयालु था उसने कुसुम की मदद की और उसे लेकर वहां से चलने लगा और जब जंगल पार करके वह बुढ़ा आदमी थक कर एक पत्थर के ऊपर बैठ गया तो कुसुम को पता चल गया की अब वह बुढ़ा आदमी और चल नहीं सकता उसने बूढ़े आदमी से विदा मांगी और आगे अकेले ही चलने लगी .....

इधर गाँव में सावित्री बहुत परेशान हो रही थी शाम होने वाली है और कुसुम का कुछ पता ही नहीं था यह सोच सोच कर सावित्री दुखी थी।

चलते-चलते कुसुम एक अनजान गाँव में पहुच गयी और गाँव पहुचकर उसने एक बुढ़िया को देखा और उसके पास बैठ गयी बुढिया ने कहा तुम कौन हो बेटी ! मैं कुसुम हूँ मै खो गयी हूँ। इतना कहकर कुसुम चुप हो गयी बुढिया ने उसकी मदद की और अपने बेटे रामू को कुसुम की मदद करने को कहा कुसुम ने अपने आँखों से बहते आंसुओं को पोछा और खुश होकर रामू की ओर देखा रामू ने कुसुम को कहा तुम्हारा गाँव का क्या नाम है ? कुसुम ने कहा सोनपुर रामू ने सोनपुर का नाम सुनकर कहा सोनपुर तो अभी बहुत दूर है बेटा तुम हमारे घर पर रूक जाओ कुसुम ने कहा मुझे भूख लगी है,उसकी बात सुनकर बुढ़िया उसके लिए खाना लेकर आई और कुसुम को खाना खिलाया रात हो चुकी थी कुसुम बुढ़िया के घर रूक गयी और रात को अपनी माँ के बारे में सोचकर सो गयी ।

सुबह होते ही वह उठी और कहा की अब मुझे घर जाना है रामू ने सोनपुर जाने के लिए बैलगाड़ी निकाली और कुसुम को बैलगाड़ी पर बिठाया अब कुसुम मन में सोच रही थी कि जल्दी माँ से मिलूंगी। रास्ता बहुत लम्बा था रास्ते में कुसुम ने बहुत सारे पेड़ पौधे बगीचे देखे उसे देखकर कुसुम को खुशी मिली वह आजतक गाँव से बाहर नहीं गयी थी। अब वह रामू के साथ अपने गाँव सोनपुर आ चुकी थी रामू ने कहा बेटा तुम्हारा घर कहां है कुसुम ने कहा मेरा घर नदी किनारे है सावित्री घर के बाहर कुसुम का इंतजार करती बैठी थी तभी वह रामू और कुसुम बैलगाड़ी पर पहुचे बैलगाड़ी रोक कर रामू ने कुसुम को नीचे उतारा कुसुम ने बैलगाड़ी से नीचे उतरकर अपनी माँ को देखा और वह दौड़ते हुए उसके पास गयी।रामू भी उनके पास गया और विदा मांगकर अपने गाँव के लिए निकला कुसुम और उसकी माँ ने रामू को धन्यवाद् कहा ..

रिशिमा दीप
बी.ए. तृतीय वर्ष

हिंदुस्तान हमारा

ये वतन है हिन्दुस्तान हमारा
इज्जत दी है जो तुम्हें उसे दिल से ना मिटाओं
ये वतन है हिन्दुस्तान हमारा
इसे युद्ध का मैदान न बनाओ...।
हर धर्म और जाति का करते हैं सम्मान यहाँ
नफरत के बीज बो कर हमें आपस में ना लडाओं...
लहर से अपने सिंचा है इस धरती को शहीदों ने
वीर, भगत, चंद्रशेखर और सुखदेव को न भुलाओं ...
राष्ट्र हित में जो काम करें, उस काम को भी सराहो.
देश में छुपे उन गद्दारों की, बातों में तुम न आओ
बीतेगी अंधियारी रात भी आशा के दीप जलाओ
ये वतन है हिन्दुस्तान हमारा इसे युद्ध का मैदान ना
बनाओ

उमेश गुप्ता
बी.कॉम. प्रथम वर्ष

विविध कार्यक्रम

कार्यशाला - कम्प्यूटर साक्षरता दिवस

विश्व मृदा दिवस पर ईशा फाउण्डेशन
के सदस्यों से प्राप्त स्टीकर का वितरण

ऊर्जा संरक्षण दिवस पर
चित्रकला एवं रंगोली प्रतियोगिता

फिल्म निर्माण प्रशिक्षण कार्यशाला

भाग - 1 विद्यार्थियों में तकनीकी ज्ञान एवं सृजनात्मक विकास हेतु प्रयास

विभागाध्यक्ष वाणिज्य द्वारा विद्यार्थियों को कम्प्यूटर प्रशिक्षण

PPT द्वारा अध्यापन

विद्यार्थियों द्वारा प्रोजेक्ट वर्क का PPT के माध्यम से प्रस्तुतिकरण

भाग - 2 विद्यार्थियों में तकनीकी ज्ञान एवं सृजनात्मक विकास हेतु प्रयास

वाणिज्य विभाग द्वारा
विद्यार्थियों के मध्य परिचर्चा का आयोजन

राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा
विद्यार्थियों के मध्य सेमीनार का आयोजन

रसायन शास्त्र प्रयोगशाला

जन्तु विज्ञान प्रयोगशाला

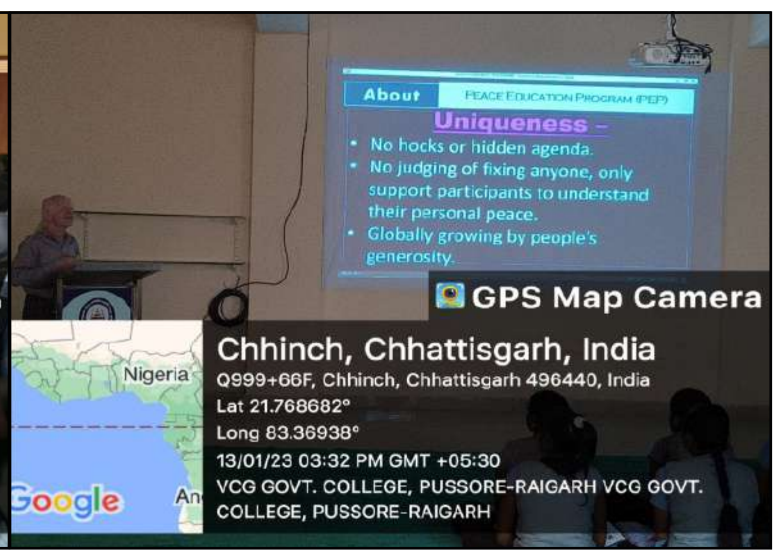

कार्यशाला प्रथम-पीस एजुकेशन फाउण्डेशन

कार्यशाला द्वितीय-पीस एजुकेशन फाउण्डेशन

RIGHTS

RIGHT TO DREAM,RIGHT TO WORK AND RIGHT TO EUALITY

A MUM,SISTER,DAUGHTER at home

A successful woman outside her duality
She's very hurt and stuck in this world
Can be wonderwoman,maybe queen of Jhansi
So polite and calm she is her sincerity
Don't put her down you cant stop her keep you
narrowmind aside ,she is unstoppable
Now that her time came ,she's empowered ,not what you
think,soft vulnerable or cowered
Right to work,right to dream
Right to equaliy each of us got
We forgot your male dominat society with all your gender
based thoughts
Yes,it's duty of all of us ,
A beautiful and equalsociety
Right to dream,right to work
And right to equality
Now that the world believes us
Everyone knows what we can do
This world without a women, colourless
The east to west ,north to south got the clarity
Right to dream ,work and right to equality

Neety pandey
B.A.FIRSTYEAR

वक्त

एक घड़ी खरीदकर हाथ में क्या बांध ली
ये वक्त पीछे ही पड़ गया मेरे
सोचा था मैंने लक्ष्य बनाकर सुकून से बैठूँगा
पर लक्ष्य की जरूरतों ने मुसाफिर बना डाला
एक सवेरा था जब हँसकर उठा करते थे हम
आज कई बार बिना मुस्कुराये ही शाम हो जाती
है।
कितने दूर निकल गए हम दोस्तों को मनाते-मनाते
खुद को खो दिया हमने अपनी दोस्ती बचाते
बचाते।
खुश हूँ और सबको खुश रखता हूँ
लापरवाह हूँ फिर भी सबकी परवाह करता हूँ
चाहता तो हूँ ये दुनिया बदल दूँ
पर लक्ष्य की निरंतरता में
फुर्सत नहीं मिलती।
महँगी से महँगी घड़ी पहन कर देख ली
फिर भी ये वक्त मेरे हिसाब से कभी न चला

दीपक पंडा
बी.एस.-सी तृतीय वर्ष

मेरे देश की माटी ऐसी

मेरे देश की माटी ऐसी,
जहाँ जन्म लेते भगवान है
मेरा भारत देश महान,
मेरा भारत देश महान है
जिसकी सुहानी सुबह है होती
होती सुनहरी शाम है
वीर बहादुर जन्मे जहाँ पर,
वही ये पावन धाम है
भारत की माटी के पुतले ,
लोहे के माने जाते है
गाँधी,तिलक,बोस,नेहरू,
इस नाम से जाने जाते हैं
फिर बने यह सोने की चिड़िया
हम सबका यही अरमान है
मेरा भारत देश महान
मेरा भारत देश महान है
यह जन्मभूमि यह कर्मभूमि
यही अपनी पहचान है
दीवानों की दीवानगीं में
भारत जिसका नाम है
आजाद बोस भगत जैसे,
इस देश की पहचान है
इनके जीवन से प्रेरित होता
हर भारतवासी महान है
हर जीत के बाद लहराता ,
तिरंगा जिसकी शान है
ऋषिमुनि और देवो ने भी,
किया जिसका गुणगान है
मेरा भारत देश महान,
मेरा भारत देश महान है

अभिषेक गुप्ता
बी.ए. द्वितीय वर्ष

आकर्षण का सिद्धांत
हमारा कॉलेज हमारा परिवार

केवल एक शिक्षा का संस्थान नहीं यह कॉलेज है परिवार हमारा,
अपनी जिंदगी का एक अहम पड़ाव यहाँ हम सबने है गुजारा,,
माता पिता से गुरूजन मिले हमें जिन्होंने सारे गुणों से संवारा,
बिना पालक के भी, कभी क्या पूरा होता है परिवार हमारा,,
शिक्षा, दीक्षा सहित हमें दिया ज्ञान का भण्डार सारे संसार का,
केवल पुस्तक का ज्ञान नहीं अवगत कराया जीवन के सार का,,
ये तो है परम्परा हम आर्यो की गुरू के नाम से शिष्य यहां जाना जाता है,
क्योंकि गुरू ही अपने लगन, प्रेम और श्रेष्ठ ज्ञान से शिष्य को महान बनाता है,,
भिन्न भिन्न फूलों की भांति छात्रों से भरा है इस परिवार का बगीचा,
जिसे अपने स्नेह और परिश्रम से गुरूजनों ने मिलकर है सींचा,,
कुछ खींचा-तानी और नोंक झोंक मे हंसी खुशी से ये पल भी निकल गया,
वक्त तो बर्फ का टुकड़ा है धीरे धीरे पिघल गया ना जाने कैसे ये निकल गया,
पंछी जब हो जाये बड़ा छोड़ घोंसला उसको तो उड़ जाना ही पड़ता है,
ये तो है रीत दुनिया की वक्त के साथ हमें आगे बढ़ जाना ही पड़ता है,,
बहुत आएंगे याद हमें कुछ डांट कुछ फटकार तो अपनेपन का प्यार,
इन्ही सबसे तो मिलकर बनता है एक भरा पूरा खुशहाल परिवार,,
चाहे जीवन मे चढ़ ले तरक्की की सीढ़िया हजार,
मगर हमेशा याद रहेगा ये हम सब से मिलकर बना कॉलेज का परिवार
काश वक्त मे हम लौट कर आ पाते फिर से विद्यार्थी कॉलेज के बन जाते,

जितेन्द्र प्रधान
बी.कॉम. तृतीय वर्ष

शिक्षक

अपने ज्ञान की ज्योति से,
शिक्षा का दीप जलाते है।
जो पढ़ना हमे सिखाते है,
वो शिक्षक हमारे कहलाते है।।

शिक्षक है ज्ञान का सागर,
शिक्षा बांटे सब पर बराबर ।
शिक्षक मंदिर जैसी पूजा,
शिक्षक जैसा ना कोई दूजा ।।

हमारे कॉलेज में,
खिलता गुलाब आप।।
हमारे जीवन में,
ज्ञान का दीपक आप ।।

मैडम मेरी बहुत है प्यारी,
लगती मुझको जग से न्यारी।
जीवन का हर सबक सिखलाती,
सच्चाई की राह दिखलाती मैडम ।।
अक्षर-अक्षर हमें सिखलाते हैं,
जीवन क्या है, समझाते हैं,

कमलेश डडसेना
बी.कॉम. द्वितीय वर्ष

आकर्षण का सिद्धांत

मधुसुदन जी दो दिनों से सो नहीं पा रहे थे वजह? जब भी सोने जाते, कुछ पुराणी बातें याद आ जाती

अयोध्या की बातें !

वह एक गरीब परिवार से थे बीस साल पहले घरवालों ने पढ़ने के लिए अयोध्या भेजा था। साकेत नामक महाविद्यालय में उन्हें प्रवेश मिला। वही एक अआश्रम में रहने और खाने की व्यवस्था हो गयी।

अयोध्या में अनेक ऐसे मठ और आश्रम थे ,जहाँ रहकर गरीब छात्र पढ़ते थे आश्रम के कार्यो में हाथ बटाते थे। मधुसुदन बड़े परिश्रमी और मिलनसार थे। जल्दी ही सबसे घुल मिल गये। आश्रम के प्रमुख एक स्वामी जी थे संस्कृत के शिक्षा के बड़े अनुरागी प्रेरक व्यक्तित्व ओजस्वी वाणी उम्र 55 साल लेकिन चुस्ती और उत्साह में युवाओं जैसे। विद्यार्थी की शिक्षा उन्हें सबसे प्रिय थी मधुसुदन जल्दी ही स्वामी जी के प्रिय छात्र हो गये। दिन में खूब जमकर कॉलेज की पढ़ाई करते शाम को स्वामी जी के साथ सरयू स्नान फिर हनुमानगढ़ी जाकर हनुमान जी का दर्शन करते। फिर पास में ही स्थित कनक भवन से प्रसाद लेकर वापस आश्रम आते, इस दौरान ज्ञान विज्ञान की बाते चलती रहती। हालांकि मधुसुदन की धर्म में कोई खास रूचि नहीं थी ,लेकिन स्वामी जी का व्यक्तित्व और ज्ञान की बातों से वह प्रभावित थे।

स्वामी जी एक बात कहते

"जेहि के जेहि पर सत्य सनेहू, सो
तेहि मिलही न कछु संदेहू "

मतलब ?मधुसुदन ने पूछा था

यह रामचरित्र मानस की चौपाई है। इसके अनुसार अगर कोई सच्चे मन से किसी चीज को चाहे तो वो उसे मिल ही जाति है।

वो कैसे ?- मधुसुदन ने पूछा था।

आकर्षण के सिद्धांत से स्वामी जी ने कहा

मै समझा नहीं मधुसुदन ने कहा

देखो ! जब भी तुम सच्चे दिल से कुछ चाहते हो तो क्या होता है तुम उसके विचारो में डूब जाते हो रात-दिन, सुबह-शाम बस वही सोचते हो, विचारों के अनुसार ही तुम्हारे कर्म होने लगते है। जैसे ही विचार और कर्म एक रूप हो जाते है,व्यक्ति उस वस्तु या परिस्थिति के योग्य बन जाता है। योग्यता आ जाने के बाद वह चीज उसे मिलकर ही रहती है ।

"इस सिद्धांत से लाभ उठाने का कोई सरल तरीका भी है ? मधुसुदन ने कहा

हाँ ईश्वर के प्रति नियमित और सच्चे दिल से प्रार्थना करके हम आकर्षण के इस सिद्धांत को अपने जीवन में क्रियाशील कर सकते है।"

प्रार्थना करने से क्या होगा ?

मन की बिखरी शक्ति एक लक्ष्य पर केंत्रित होगी। मानसिक ऊर्जा बढ़ेगी। बढ़ी हुई मानसिक शक्ति से कर्मो में दृढ़ता आयेगी। वह दृढ़ता लक्ष्य की ओर ले जाएगी ।

क्या सोचने से ही सब हो जायेगा ?-मधुसुदन ने कहा ।

"नहीं जब तक लक्ष्य प्राप्ति के लिए ईश्वर से सच्ची प्रार्थना नहीं होती तब तक (अर्थात लक्ष्य के प्रति दृढ़ निश्चय) यह ताला जानबूझकर प्रकृति के द्वारा लगाया गया है जिसमें मानसिक शक्ति के द्वारा लोग अपनी गलत इच्छाओं को न पूरा कर सके ।" इस तरह तर्क-वितर्क चलते ही रहते थे। मधुसुदन को यह सिद्धांत कोरी कल्पना लगता था।वही स्वामीजी का प्रबल विश्वास था की पूर्ति के लिए हमें ईश्वर से प्रार्थना करनी चाहिए।अर्थात निष्ठा रखनी चाहिए। समय गुजरता गया मधुसुदन जी की शिक्षा पूरी हो गयी एक अच्छे सरकारी पद पर लखनऊ में नियुक्ति हो गयी वह नयी परिस्थितियो में रम गये।

20-22 साल पंख लगाकर उड़ गये। आश्रम से नाता पूरी तरह टूट चूका था। लेकिन दो दिनों से एक अनूठी बात हो रही थी। जब भी बिस्तर पर लेटते,स्वामीजी की याद आती ,उन्होंने आश्रम के एक ट्रस्टी का नम्बर लिया बात की पता चला की स्वामी जी को कानो में कम सुनाई देता है।मधुसुदन के मन में इच्छा जगी स्वामीजी को कण की मशीन देनी चाहिए उन्होंने अपने पड़ोस में ही रहने वाले एक विशेषज्ञ चिकित्सक से बात की उनके बताये पते पर वक औदिओलोजिस्त से जाकर मिले कण की मशीन खरीद ली। उसे चलाने और फिट करने का तरीका समझ लिया । रात को घर लौटकर उन्होंने फैसला किया ,कल अयोध्या जाऊंगा अगले दिन खूब सवेरे उठे सुबह 8 बजे वो आश्रम पहुंच चुके थे। एक छात्र से बातचीत शुरू हुई ..

स्वामीजी कैसे है ? मधुसुदन से कहा

ठीक है ,लेकिन अब कानों से कम सुनाई देता है छात्र ने कहा

इलाज हुआ की नहीं मधुसुदन ने कहा।

डॉ.देखने आया था कान की मशीन बोला लगाने छात्र ने कहा।

मशीन तो लग गयी होगी अब मधुसुदन ने कहा ।

कैसे लगेगी ! अयोध्या या फैजाबाद में वैसी कण की मशीन मिली नहीं। लखनऊ में ही मिलती है छात्र ने कहा

लखनऊ से मंगाया नहीं मधुसुदन ने कहा

स्वामी जी कहते है आश्रम का धन विद्यार्थियों के लिए है।अगर वास्तव में उन्हें इस मशीन की जरूरत होगी तो कोई न कोई रास्ता निकल कर इसका समाधान जरूर होगा छात्र ने कहा

अच्छा- मधुसुदन ने कहा।

हाँ हम आश्रमवासी पिछले कुछ दिनों से शाम को सामूहिक रूप से सच्चे मन से प्रार्थना कर रहे है कि स्वामीजी की समस्या का निदान करें।   छात्र ने कहा मधुसुदन के पुरे शरीर में जैसे कंपन हो रहा था, वह उस विद्यार्थी के साथ स्वामीजी के कमरे में गए वे बहुत वृद्ध हो चुके थे। मिलकर उन्हें वह मशीन दिया बात-चित हुई ,मधुसुदन अपने आंसू रोक नहीं पाए।

अर्थात् यह वाक्य सत्य है की यदि हम किसी अच्छे चीज को पाने के लिए या किसी अच्छे कम कम के लिए सच्चे मन से पूरी लगन निष्ठा से जुड़ जाते है, उस चीज को पाने के लिए दृढ़ निश्चय कर लेते हैं तो वह अवश्य पूर्ण होता है ,हमे अवश्य प्राप्त होता है।

दीपिका पंडा
बी.एस.-सी. तृतीय वर्ष

उठो नौजवानों संसार दुख से जल रहा

उठो नौजवानों संसार दुःख से जल रहा है,
कायर, दुर्बल, पापी, लोगों से यह संसार जल रहा।
उठो नौजवानों संसार दुःख से जल रहा है,
अग्निरूपी इस संसार को अपने देश प्रम से
बुझाकर इसकी आत्मा को तृप्त करो।
चलो सत्य के पथ पर बनो ना स्वार्थी,
तुम्ही भावी सैनिक कर्णधार संसार के
लुटने ना देना तुम इस दुनिया के चमन को
उठो नौजवानों संसार तुम से कह रहा
घिरा दुश्मनों से चमन है हमारा
स्नेह, साहस की बौछार करके हर लो दुःख सारा।
तुम उगते सूरज हो कल के दुःख से न हारना, साहस तुम्हारा
उठो नौजवानों संसार दुःख से जल रहा है,

मीना निषाद
बी.एस.सी. द्वितीय वर्ष

विगत वर्ष आयोजित कार्यक्रम की झलक

आज़ादी का अमृतमहोत्सव

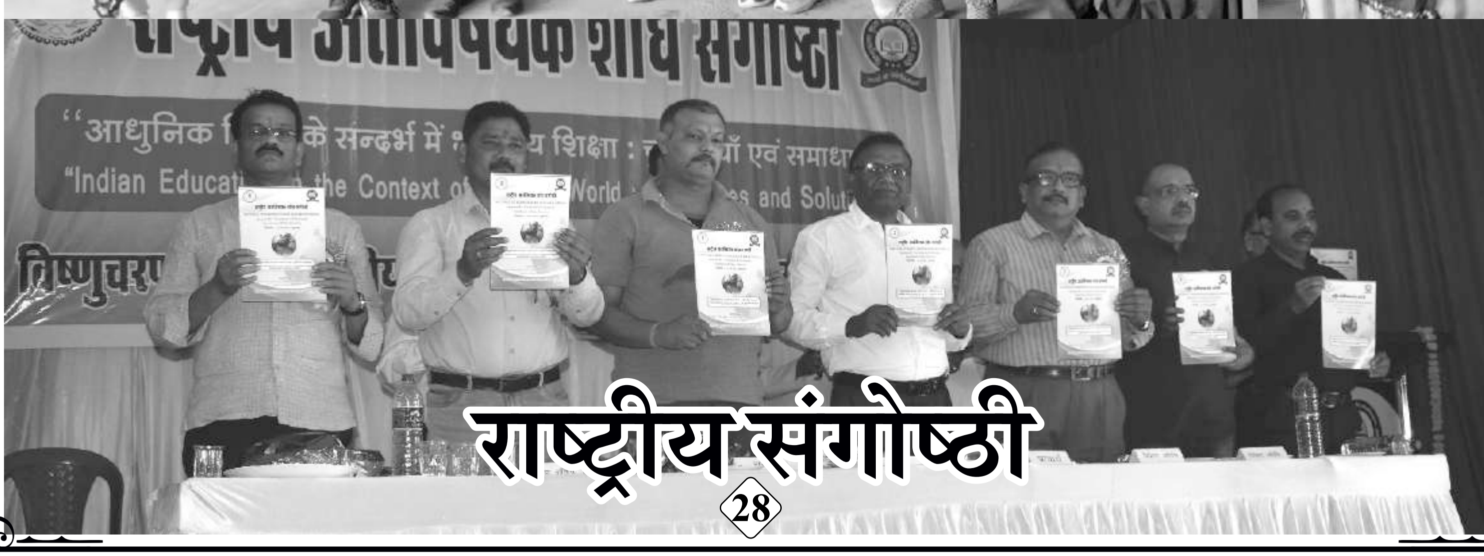

राष्ट्रीय संगोष्ठी

विष्णुचरण गुप्ता शासकीय महाविद्यालय पुसौर, रायगढ़

रेडक्रॉस एवं साइंस क्लब

रेडक्रॉस एवं साइंस क्लब द्वारा
ब्लड ग्रुप टेस्ट वजन एवं ऊँचाई परीक्षण शिविर

रेड क्रॉस द्वारा बूस्टर डोज़ शिविर

स्वीप कार्यक्रम

स्वीप द्वारा मतदाता जागरुकता पर शिविर का आयोजन

स्वीप द्वारा आयोजित जिला स्तरीय भाषण एवं
क़्विज प्रतियोगिता में पुरस्कृत छात्राएं

नीति पांडेय बी. प्रथम वर्ष

आँचल गुप्ता बी.कॉम. प्रथम वर्ष

विष्णुचरण गुप्ता शासकीय महाविद्यालय पुसौर, रायगढ़

महिला उत्पीड़न निवारण समिति की गतिविधियाँ

महिला सुरक्षा एवं साइबर क्राइम पर ऑनलाइन वेबिनार

महिला जागरुकता सम्बन्धी विभिन्न विषयों पर ऑनलाइन भाषण प्रतियोगिता

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में महिला अधिकार एवं जागरुकता पर ग्राम-गोतमा मे कार्यक्रम

इको क्लब

महाविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम तहसीलदार पुसौर के कर कमलों से

स्वागत एवं विदाई समारोह

नव प्रवेशित विद्यार्थियों का स्वागत

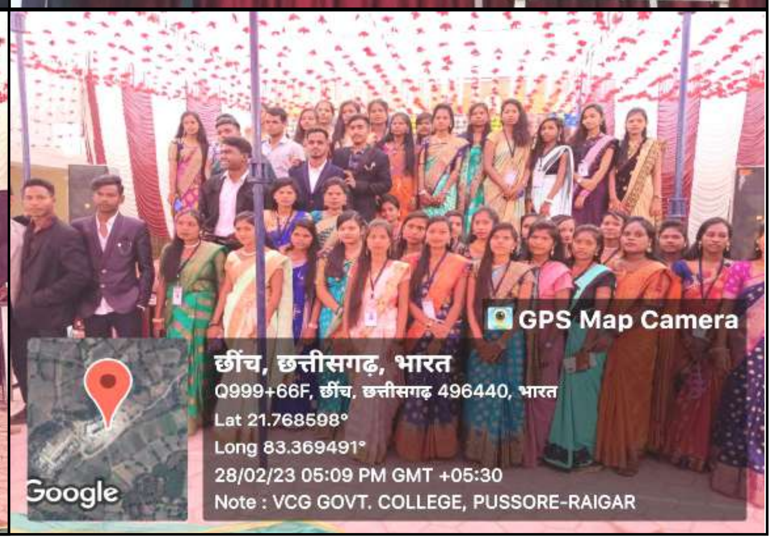

बी.एस.सी. अंतिम वर्ष

बी.ए अंतिम वर्ष

बी.कॉम.अंतिम वर्ष

वार्षिकोत्सव एवं पुरस्कार वितरण

महाविद्यालय प्राविण्य सूची मे स्थान प्राप्त विधयार्थियों को पुरुस्कार वितरण

संध्या प्रधान बी. ए. अंतिम वर्ष

अमृता मेहर बी. एस-सी. अंतिम वर्ष

रुकमणी पटेल बी. कॉम. अंतिम वर्ष

अन्य

राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर स्वीप अम्बेस्टर छात्रों को प्रमाण-पत्र प्राप्त

विष्णुचरण गुप्ता शासकीय महाविद्यालय पुसौर, रायगढ़

शैक्षणिक भ्रमण 2022 -23

बी.एस-सी. अंतिम वर्ष गोमर्डा अभ्यारण्य

बी.कॉम. अंतिम वर्ष कोयलीघोघर

बी.ए. अंतिम वर्ष हीराकुंड बांध

इतिहास विभाग द्वारा मल्हार का शैक्षणिक भ्रमण

सरस्वती पूजा

कैरियर निर्माण के लिए एक अच्छा विकल्प इतिहास

यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा कि कला व मानविकी विषयों की जननी इतिहास है। इतिहास अतीत की घटनाओं का क्रम बद्ध ब्यौरा ही नहीं है, बल्कि इसमें तत्कालीन समय की सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक पक्षों का वैज्ञानिक एवं विश्लेषणात्मक अध्ययन किया जाता है, ताकि भविष्य में घटित होने वाली घटनाओं पर संभावनाएं एवं सुधार की अपेक्षा की जाती है। इस तथ्य से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि आज देश के किसी भी विश्वविद्यालय में इतिहास की पढ़ाई नहीं की जा रही हो। इतिहास के जिस रूप का आज हम अध्ययन कर रहे हैं वह कई शोधकर्ताओं और इतिहासकारों के लंबे शोध का परिणाम है। इसमें पुरालेख शास्त्रियों, मुद्राविशेषज्ञों, पुरातत्वविद्यों और अन्य शोधार्थियों की टीमें गहन शोध के आधार पर इतिहास को वर्तमान रूप में लोगों के सामने लाती है।

इतिहास की लोकप्रियता के बावजूद यह जानकारी एक बड़ी सच्चाई है कि इतिहास की पढ़ाई करने वालों को इसके कैरियर विकल्पों के बारे में बहुत ज्यादा नहीं है। वैसे स्नातक स्तर पर इतिहास का अध्ययन करने वाले छात्रों को यह तो ज्ञात है कि सिविल सेवा व राज्य सेवा परीक्षा की तैयारी के लिए इसका अध्ययन लाभकारी है, या इतिहास के शिक्षण के क्षेत्र जैसे प्राध्यापक, व्याख्याता इत्यादि में व्यापक आयाम है। पर इतिहास के छात्रों का भविष्य यहीं तक सीमित नहीं है, इतिहास में कैरियर के और भी कई आयाम हैं इनके बारे में छात्रों को जानकारी होनी चाहिए।अगर विषय के रूप में बात की जाए तो इतिहास ऐसा विषय है जिसकी सामान्य पढ़ाई छठी कक्षा से ही शुरू हो जाती है, लेकिन 11वीं और 12वीं कक्षा में इतिहास एक विषय के रूप में छात्रों को आधारभूत जानकारी उपलब्ध कराता है। स्नातक स्तर पर छात्र बी.ए. में इतिहास की कई शाखाओं का अध्ययन कर सकते हैं। स्नातक में इतिहास का अध्ययन आर्कियोलॉजिस्ट या शिक्षक आदि के रूप में कई अवसरों की नींव रखता है। इसके बाद पोस्ट ग्रेजुएशन एम.ए. में भी इतिहास की कई शाखाओं का चयन किया जाता है। इसके बाद एम फिल और नेट/सेट परीक्षा उत्तीर्ण की जा सकती है। कई संस्थान इतिहास से संबंधित क्षेत्रों में डिप्लोमा और शार्ट टर्म कोर्स कराते हैं जो आर्कियोलॉजी, म्यूजियोलॉजी, आर्काइवल स्टडीज आदि से संबंधित है

आर्कियोलॉजिस्ट इतिहास की तमाम वस्तुओं जैसे सिक्के, हथियार, बर्तन मूर्ति, लेखन शैली आदि के सरकार के भारतीय पुरातत्व विभाग में नौकरी का विकल्प होता है। यह विभाग करीब 3600 ऐतिहासिक इमारतों का संरक्षण करता है, इसके साथ ही विभिन्न राज्य सरकारों के विभागों, हेरिटेज संस्थाओं, म्यूजियम और संस्थाओं में इसके लिए प्रबल संभावनाएं होती हैं। म्यूजियोलॉजी का काम म्यूजियम में काम करना, रिसर्च, एडमिनिस्ट्रेशन और पब्लिक रिलेशंस का काम संभालना होता है। म्यूजियम निरीक्षक होने के तौर पर आप नेचुरल हिस्ट्री, मेटल, टेराकोटा, टेक्सटाइल्स या पेंटिंग में स्पेशलाइजेशन कर सकते हैं, साथ ही कार्य का रिकॉर्ड उसकी उम्र काल आदि के आधार पर रखना भी इसका काम होता है। आरकिविस्ट मुख्य तौर पर संरक्षण का काम करते हैं, तमाम डॉक्यूमेंट्स का सही तरीके से संरक्षण करना इनका काम होता है, इसके लिए तमाम विधियां अपनाते हैं ये म्यूजियम, लाइब्रेरी, नेशनल आर्काइव समेत राज्य सरकारों के आर्काइव्स में काम करते हैं।इतिहास का कोर्स करने के बाद जो पद प्राप्त किए जा सकते हैं वे इस प्रकार हैं- म्युजियम क्यूरेटर, हैरिटेज मैनेजर, कंजर्वेशन ऑफिसर, म्युजियम एग्जीबिशन ऑफिसर, स्कूल टीचर, प्रोफेसर, लाइब्रेरियन, प्रकाशक, पत्रकार आदि । विदेश मंत्रालय के हिस्टोरीकल डिवीजन, शिक्षा मंत्रालय, भारतीय राष्ट्रीय अभिलेखागार, विश्वविद्यालयों में भी रोजगार के भी अच्छे मौके मिलते हैं। आप इंडियन काउंसिल आफ हिस्टॉरिकल रिसर्च और इंडियन काउंसिल आफ सोशल साइंसेज रिसर्च आदि से भी जुड़ सकते हैं। निष्कर्षतः अच्छे कैरियर विकल्प के साथ ही इतिहास हमारे व्यक्तित्व, आत्मविश्वास और तार्किक विश्लेषण की क्षमता में वृद्धि करता है क्योंकि आप स्वयं के, समाज, देश और वैश्विक परिदृश्य की ऐतिहासिक विकास की गाथा से परिचित रहते हैं।

प्रो. हरिहर प्रसाद चौहान
सहायक प्राध्यापक इतिहास

वाणिज्य विभाग प्रतिवेदन

वाणिज्य का अर्थ धनप्राप्ति के उद्देश्य से वस्तुओ का क्रय-विक्रय करना व्यापार है, तथा इसके सहायक (जैसे बैंक, यातायात आदि) दोनों को मिला कर वाणिज्य बनता है । वाणिज्य एक ऐसी क्रिया है जिसमे उपभोक्ता तथा उत्पादक दोनों को समीप लाने का कार्य किया जाता है। वाणिज्य को कला एवं विज्ञान दोनों ही माना जाता है

हमारे महाविद्यालय में सत्र 2022-23 में वाणिज्य विभाग में स्नातक प्रथम , द्वितीय एव तृतीय वर्ष में कुल 201 विद्यार्थियों ने वाणिज्य विषय का अध्यन किया है। वाणिज्य से संबंधित निम्न विषय (2022- 23) में उपलब्ध थे।

B.com 1 year Financial accounting, business communication, business mathematics, business reg. framework, business economics, business environment b.com 2nd year corporate accounting, company law, cost accounting, principles of bus. Management, business statistic, fundamental of entrepreneurship.

B.com.3rd year income tax, auditing, indirect taxes, management accounting, financial management, financial market operations.

विभाग का अपना एक व्हात्सप्प ग्रुप है जिसमे विभाग से संभंधित समस्त जानकारी समय समय पर छात्र छात्राओं को दी जाती है इसके साथ ही समस्त छात्र- छात्राओं द्वारा ग्रुप के माध्यम से पूछे गए सवालो के जवाबो का समाधान भी विभाग द्वारा तत्काल किया जाता है।

विभाग द्वारा विद्यार्थियों का 4 यूनिट एव इंटरनल एग्जाम भी लिया जाता है विभाग में 2 प्रोफेसर है जिनके द्वारा 1-1 घंटे की क्लास लेकर प्रैक्टिकल (अंकगणित) को 100% पूर्ण करवाया जाता है एव थ्योरी 70-80% तक पूर्ण करने का प्रयास किया जाता है।

विभागाध्यक्ष प्रो. रमेश कुमार साहू जो की IQAC के प्रभारी भी है इस वर्ष नैक-मूल्यांकन के कार्य को पूर्ण करने के साथ ही साथ अपने विभाग के कोर्स को प्राथमिकता में रखते हुए उसे पूरी तत्परता के साथ पूर्ण किया ।

विभाग द्वारा विद्यार्थियों के शैक्षणिक विकास के साथ साथ नैतिक विकास एव अन्य बौद्धिक विकास पर भी ध्यान दिया जाता है जैसे उन्हें कंप्यूटर से संबंधित आधारभूत शिक्षा (वर्ड ,एक्सेल,पॉवर पॉइंट बनाना आदि कंप्यूटर संबंधी बेसिक जानकारियो) के बारे में भी बताया एवं सिखाया जाता है । साथ ही समय समय पर कैरियर काउंसिलिंग भी दी जाती है,की आगे उन्हें भविष्य में क्या करना है ।इस विषय को लेकर भविष्य में क्या क्या अवसर है।

विभाग द्वारा STUDENT TECHING PARTICIPATIVE PROGRAMMEभी करवाया जाता है ताकि छात्र अपने स्किल को निखार सके जिसके अन्तर्गत ग्रुप परिचर्चा समय समय पर विद्यार्थियों के मध्य करवाया जाता है

विभाग के विद्यार्थियों दारा महाविद्यालय एव अन्तर्महाविद्यालय स्तर पर आयोजित समस्त गतिविधियो में उत्साह पूर्वक भाग लिया जाता है एवं उन प्रतियोगिताओ में स्थान भी प्राप्त करते है तथा प्रथम ,द्वितीय स्थान भी प्राप्त किया जाता है जैसे महाविद्यालय में आयोजित स्वीप हेतु रंगोली प्रतियोगिता में बी.कॉम.प्रथम वर्ष की छात्राओ शैली नायक एव आँचल गुप्ता ने प्रथम एव बी.कॉम.द्वितीय वर्ष की छात्राओ तिलोत्तमा निषाद एव सिया साव ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

संविधान दिवस पर आयोजित क्विज प्रतियोगिता में बी.कॉम. द्वितीय वर्ष की छात्रा सेवती साव ने भाग लिया ऊर्जा सरंक्षण दिवस पर आयोजित पेंटिंग एवं रंगोली प्रतियोगिता में बी.कॉम. प्रथम वर्ष की छात्रा शैली नायक ने चित्रकला में प्रथम स्थान प्राप्त किया बी.कॉम.द्वितीय वर्ष की छात्राओ अन्नपूर्ण गुप्ता एवं ज्योति ने रंगोली में प्रथम स्थान प्राप्त किया N.S.S.YOUTH-20 वार्ता जागरूकता कार्यक्रम में बी.कॉम. प्रथम वर्ष की छात्रा अंजली सत्पथी ने भाषण में महाविद्यालय में प्रथम एव अंतर महाविद्यालय स्तर पर द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

महाविद्यालय एवं वाणिज्य विभाग इन समस्त छात्र-छात्राओं के उत्साह की सराहना करता है एवं इनके उज्जवल भविष्य की कामना करता है

वाणिज्य विभाग

विभागाध्यक्ष- प्रो. रमेश कुमार साहू

प्राध्यापक- शीतल केरकेट्टा

राजनीति विज्ञान विभाग
प्रतिवेदन

महाविद्यालय के स्थापना वर्ष 2014 से लेकर अब तक कला (बी.ए.) संकाय के विद्यार्थियों हेतु राजनीति विज्ञान विषय विकल्प के रूप में पाठ्यक्रम में उपस्थित रहा है। प्रारंभ से लेकर अब तक नव प्रवेशित विद्यार्थियों का 100% हिस्सा अपने पाठ्यक्रम में इस विषय का चयन करता आया है। यही स्थिति सत्र 2022-23 में भी रही इस सत्र में राजनीति विज्ञान विषय का अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों की संख्या लगभग 200 रही।

बी. ए. प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष में विद्यार्थियों द्वारा राजनीति विज्ञान विषय के अंतर्गत छः अलग-अलग विषयों का दो भागों में अध्ययन किया जाता है। विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम के अतिरिक्त विभाग द्वारा विभिन्न अकादमी एवं सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन समय समय पर विद्यार्थियों के मध्य किया जाता रहा है। जिसमें परिचर्चा, इकाई परीक्षा तो है ही साथ ही विद्यार्थियों की लेखन शैली उत्कृष्ट बनाने एवं उनकी वाकपटुता में वृद्धि करने हेतु सेमिनार का आयोजन किया जाता है, जिसमें विद्यार्थियों को अलग अलग विषय दिए जाते हैं जिसमें वे एक प्रोजेक्ट फाइल तैयार करते हैं जिसका प्रस्तुतिकरण अन्य विद्यार्थियों के समक्ष एवं प्राध्यापक की उपस्थिति में किया जाता है। इसके अतिरिक्त विद्यार्थियों को विभिन्न कार्यक्रम जैसे ऑनलाइन वेबिनार सेमिनार, एवं क्विज प्रतियोगिता से जुड़ने हेतु प्रोत्साहित किया जाता है। विद्यार्थियों को महाविद्यालय में उपस्थित पाठ्य पुस्तक के अतिरिक्त विभिन्न वेब माध्यमों के द्वारा अध्ययन करने हेतु लिंक, पीडीएफ आदि उपलब्ध कराया जाता है। विद्यार्थियों को पढ़ने हेतु प्रोत्साहित करने के लिए इस वर्ष विभाग द्वारा एक नई पहल की गई जिसके अन्तर्गत आंतरिक मूल्यांकन में उत्कृष्ट अंक लाने वाले विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम से संबंधित किताबें एक वर्ष के लिए पूर्ण रूप से पुरस्कार स्वरूप प्रदान की गई। इस सत्र विभाग द्वारा विद्यार्थियों को विभिन्न विद्वानों भारतीय संविधान से संबंधित महत्वपूर्ण चीजों का चाट बनाकर क्लास में चिपकाने का निर्देश दिया गया जिसका पालन विद्यार्थियों ने किया। विभाग द्वारा अध्ययनरत विद्यार्थियों में धीमी गति से अधिगम करने वाले विद्यार्थियों का चयन कर उनसे समय समय पर चर्चा की गई एवं उन पर विशेष ध्यान देते हुए अतिरिक्त कक्षाएं भी ली गयी।

विभाग द्वारा आगामी भविष्य में छात्रहित को ध्यान में रखते हुए विद्यार्थियों की भागीदारी बनाते हुए रूपरेखा का निर्धारण किया गया है जिससे अधिक से अधिक विद्यार्थी आगामी भविष्य में इस विषय का चयन करें। राजनीति विज्ञान विभाग इस विषय का अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों को सदैव सहयोग का आश्वासन देते हुए उनके उज्वल भविष्य की कामना करता है।

विभागाध्यक्ष
राजनीति विज्ञान विभाग

DEPARTMENT OF ENGLISH

ANNUAL REPORT FOR THE SESSION 2022-23

The session began with a good result of all the classes in the all the streams because the Annual Exam 2021-22 was conducted Online Exam due to Covid19. I joined the VCG Govt. College, Pussore – Raigarh (CG) in November 2022 after the Transfer from PG College, Kanker (North Bastar) – CG

The Students are quite sincere and laborious in the study as I found. I tried my level best to cover the Grammar and the prescribed syllabus of the Shaheed Nandkumar University, Raigarh CG.

As according to the proverb, "Slow and steady run wins the race" the grammar portion was completed slowly and steadily as well as the prescribed syllabus. There is a single student with the major subject English Literature. The student was guided well and promoted to study further.

In the new session 2023-24 the more students are expected to take the major Subject English Literature. There is a proposal made to start the "English Spoken Classes" in the new session 2023-24. In the next session, The Department has committed to do to the following-

i. The students will be increased with the major subject English Literature.

ii. The Spoken English Classes will be run for the students.

iii. The English Department will organize the Workshop on "The Job Fetching Language".

iv. The Department will have MOU with other nearest colleges to share and update current the knowledge among the students.

The new session will be eventful and progressive in learning better English Language.

HEAD OF DEPARTMENT
PRO. PATRAS KINDO

इतिहास विभाग – वार्षिक प्रतिवेदन

इतिहास अतीत की घटनाओ का क्रमबद्ध, विश्लेषणात्मक एवं वैज्ञानिक अध्ययन है, इसमे अतीत की गलतियों एवं सीख से बेहतर भविष्य की आशा है| सत्र 2022-23 में महाविद्यालय के इतिहास विभाग में नियमित विद्यार्थी के रूप में B.A.-I,B.A.-II और B.A.-III में कुल 29 छात्रो ने अध्ययन किया| जो कि महाविद्यालय की स्थापना के बाद अब तक सबसे अधिक है|

विभाग का अपना एक WHATSUPGROUP बनाकर जिसमे विभाग की समस्त गतिविधियों की जानकारी छात्र- छात्रों को प्रदान की जाती है | इतिहास के पाठ्यक्रम को रोचक, सरल एवं मनोरंजक अध्यापन कराने लिए विभाग द्वारा ब्लैक बोर्ड में चित्र बनाकर, मानचित्र, एटलस इत्यादि का प्रयोग किया जाता है | समय-समय पर ICT कक्ष में PPT के माध्यम से अध्यापन कराया जाता है | पाठ्यक्रमानुसार चलचित्रों का प्रदर्शन भी किया जाता है, इस वर्ष बिस्मार्क, अशोक फिल्म दिखाया गया और गाँधी मूवी का YOUTUBE लिंक छात्राओं को प्रदान किया गया |

विभाग द्वारा छात्र-छात्राओं के नैतिक विकास के लिए ऐतिहासिक विभूतियों रामकृष्ण परमहंस , स्वामी विवेकानंद, महात्मा बुद्ध, महावीर स्वामी, बी.आर. अम्बेडकर और महात्मा गाँधी इत्यादि के व्यक्तित्व, जीवन एवं संघर्षो पर प्रकाश डाला गया | इसके अलावा साहित्यिक पुस्तके वाचन हेतु प्रदान की गई|

चूँकि इतिहास विषय सामान्य ज्ञान का आधार है अत: विद्यार्थियों को इतिहास से सम्बंधित तथ्यों के नोट्स संग्रह करने को कहा गया, इसके अलावा विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओ के इतिहास से सम्बंधित प्रश्नों को हल कराया गया|

इस सत्र में विभाग के विद्यार्थियों को शैक्षणिक भ्रमण के लिए छ.ग. की पुरातात्विक नगरी मल्हार का भ्रमण कराया गया| जहाँ पर हजार वर्ष पूर्व की पातालेश्वर मंदिर, भीम कीचक मंदिर और डिडनेश्वरी मंदिर का अवलोकन किया गया| विद्यार्थियों को इन मंदिरों के वास्तुकला की विशेषता का बारीकी से निरीक्षण कराकर रिपोर्ट प्रस्तुत करने कहा गया | मल्हार में मृत्तिका दुर्ग का भी भ्रमण किया गया|

विभाग के विद्यार्थियों द्वारा महाविद्यालय में आयोजित विभिन्न गतिविधियों खेल ,भाषण, क्विज ,नृत्य एवं निबंध लेखन में सहभागिता के साथ ही सफ-सफाई और वृक्षारोपण कार्यक्रम में सक्रियता के साथ अपना योगदान दिया गया | सत्रांत में बी.ए. अंतिम के छात्र-छात्राओं को बिदाई दी गई| सत्र के दौरान इतिहास विभाग के विद्यार्थियों का उत्साह एवं ऊर्जा सराहनीय रहा, मई इनके उज्जवल भविष्य की कामना करता हूँ|

विभागाध्यक्ष
प्रो. हरिहर प्रसाद चौहान

रसायन शास्त्र विभाग
वार्षिक प्रतिवेदन

सत्र 2022 – 23 में स्नातक प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के कुल 208 विद्यार्थियों ने रसायन शास्त्र विषय का अध्ययन किया।
विभाग से सम्बंधित सूचनाओं एवं पठन सामग्रियों को व्हाट्सएप्प ग्रुप में शेयर किया गया जिससे कि सभी विद्यार्थी लाभान्वित हो सके
विद्यार्थी केन्द्रित अध्ययन के लिए विषय से सम्बंधित असाइनमेंट सेमीनार यूनिट परीक्षा इत्यादि निश्चित समयांतराल पर कराये गए
विषय वस्तु को ठीक से समझने के लिए विद्यार्थियों को मॉडल बनाना सिखाया गया मॉडल बनाने के लिए सस्ती सामग्रियों यथा रबर की गेंद और साइकिल स्पोक का उपयोग किया गया। विभाग द्वारा डॉ. धनेश सिंह, विभागाध्यक्ष रसायन शास्त्र विभाग कि. शासकीय कला एवं विज्ञान महाविदयालय रायगढ़ को स्पेक्ट्रोस्कोपी विषय पर व्याख्यान देने हेतु आमंत्रित किया गया ।
महाविदयालय अपने नवीन भवन में सितम्बर 2022 को स्थानांतरित हुआ है । रसायन शास्त्र प्रयोगशाला में कुछ आवश्यक कार्य कराये गए गैस कनेक्शन कैमिकल रखने के लिए ग्लास रैंक एवं OHP की व्यवस्था की गई। गैस कनेक्शन, ग्लास रैक की व्यवस्था जनभागीदारी मद से की गई।
प्रार्थना के समय रसायन शास्त्र विषय से सम्बंधित सामान्य जानकारी विज्ञान के विद्यार्थियों द्वारा कला एवं वाणिज्य के विद्यार्थियों को बताया जाता है जिससे कि प्रतियोगिताओं में सबको लाभ मिल सके ।
विगत सत्र में रसायन शास्त्र में विद्यार्थियों का परीक्षा परिणाम लगभग शत प्रतिशत रहा ।
इस वर्ष भी अच्छे परिणाम के लिए विभाग आशान्वित है और अपनी शुभकामनाएं प्रेषित करता है ।

विभागाध्यक्ष
रसायन शास्त्र विभाग

हिन्दी विभाग की गतिविधियाँ

श्रेष्ठ और अमूल्य है कला विषय की शिक्षा पुनरुस्थान की ओर अग्रसर हिन्दी विभाण

इस विश्व के विशाल मानव समाज में कला का एक विशिष्ट स्थान है। कला का कौतुक सौन्दर्य सर्व- जन के लिए सदैव उपयुक्त और हितकर है। कला में सबसे अधिक आकर्षण शक्ति होती है। वह सर्वजन को एक पल में मोहित कर लेती है।

महाविद्यालय प्रारंभिक अवस्था से अब तक कला संकाय में हिन्दी के साथ अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों की संख्या अधिकतम रहीहै। महाविद्यालय स्तर पर आयोजित – महान विभूतियों की जयंती. राष्ट्रीय पर्व, विविध उत्सव एवं दिवासो में हिन्दी विभाग का सहयोग सराहनीय व सकारात्मक भूमिका मे देखा जा सकता है। स्पंदन कला एवं साहित्य संस्थान रायगढ़ छत्तीसगढ़ के उबरते कला प्रेमियों व साहित्यकारों के सौजन्य से काव्यगोष्ठी" का आयोजन, भारतीय फिल्म एवं टेलिविजन संस्थाम द्वारा आयोजित " स्मार्ट फोन के माध्यम से फिल्म निर्माण ऑन लाइन प्रशिक्षण, साहित्य और प्रकृति के अंतरंग संबंधो को पुर्नस्थापित करने शैक्षणिक भ्रमण, विश्वविद्यालयीन, महाविद्यालयीन, अंर्तमाविधालयीन-साहित्यिक, सांस्कृतिक, खेलकूद आदि विविध विधाओं में सह- भागिता सुनिश्चित कराने में सतत् प्रयासरत है। शिक्षा के क्षेत्र में हम कला विषय की बात करे तो उसकी शिक्षा श्रेष्ठ और अमूल्य है। कला विषयों का अध्ययन करना एक श्रेष्ठ बात है। सर्वप्रथम कला से परिचित हुए बगैर अन्य विषयों को समझ पाना बहुत कठिन होगा। कला विषय की शिक्षा को कमतर नही आँका जा सकता। निःसंदेहदैनिक जीवन में इन्ही विषयों की उपयोगिता सबसे अधिक है।

कलाविषय की पढ़ाई में जीवन के यथार्थ पक्ष की व्याख्या होती है अध्येता व्यवहारिक ज्ञान से लबालब हो जाते हैं। मानवीय मूल्यों की सुन्दर अभिव्यक्ति से उसके अहसास सुखद और आनंद दायक हो जाते हैं।

हिन्दी विभाग कला विषय की पढ़ाई के प्रति बहुत सजग है हिन्दी साहित्य के समस्त अध्येताओं का स्वागत करता है। कला के पुर्नउत्थान की दिशा में निरंतर अग्रसर है यह विभाग कला विषय की लोकप्रियता, रुचि और समझ बढ़ाने के लिए अपने अध्येताओ को प्रोत्साहित करने का हर सम्भव प्रयास करता रहा है।

हिंदी विभाग की मंशा है कि यहाँ से हिन्दी की अच्छी प्रतिभाएँ निकलें। भरपूर यश-कीर्ति प्राप्त हो । कला विषय की शिक्षा किसी भौगोलिक क्षेत्रीय और सामाजिक सीमा से बँधी हुई नहीं है। कोई भी इच्छूक व्यक्ति इसकी शिक्षा ले सकता है।

हमारी अब तक की समुचित कार्य प्रणाली, शैक्षणिक गतिविधियाँ और सुविधाएँ संतोषजनक पायी गयी है। आज यह महाविद्यालय ग्रामीण क्षेत्र में होने के बावजूद निरंतर विकासशील है। नये अध्येताओं में भी रूस ओर बहुत रुझान है। जिसके लिए हम प्रफुल्लित होकर गौरव का अनुभव करते हैं।

विभागाध्यक्ष
श्रीबच्छ भोय

क्रीड़ा विभाग : वार्षिक प्रतिवेदन

महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं के बौध्दिक विकास एवं व्यक्तित्व विकास में शाररिक शिक्षण एवं खेलकूद का अपना विशिष्ट महत्त्व एवं योगदान है| छ.ग. शासन, उच्च शिक्षा विभाग एवं शहीद नंदकुमार पटेल विश्वविद्यालय, रायगढ़ के खेल कैलेण्डर के क्रियान्वयन हेतु 12-07-2022 को अग्रणी महाविद्यालय द्वारा आयोजित बैठक में सम्मिलित हुआ जिसमे विभिन्न महाविद्यालय को क्रीड़ा प्रतियोगिता का दायित्व सौंपा गया|

महाविद्यालय में खेलकूद प्रतियोगिता के आयोजन एवं संचालन हेतु महाविद्यालय में क्रीड़ा समिति का गठन किया गया है जिसमे श्री हरिहर प्रसाद चौहान संयोजक और श्रीबच्छ भोय, श्री बालमुकुन्द पटेल, श्री विजय कुमार कांटे एवं श्रीमती शीतल केरकेट्टा सदस्य है|

सत्र 2022-23 में महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने महाविद्यालय स्तर, सेक्टर स्तर, राज्य स्तर एवं अंतर विश्वविद्यालयीन स्तर की प्रतियोगिताओं में अपनी सक्रीय सहभागिता दी और उत्कृष्ट प्रतिभा का परिचय दिया| इस वर्ष महाविद्यालय टीम ने बैडमिंटन (पुरुष), वॉलीबॉल पुरुष, क्रिकेट पुरुष, कबड्डी महिला, खो-खो महिला और ऐथिलेटीक्स पुरुष में सेक्टर स्तर पर सम्मिलित हुए|

महिमा यादवबी.ए.IIIने महिला खो-खो अपने उत्कृष्ट खेल के प्रदर्शन पर राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में सम्मिलित हुयी,इसका चयन विश्वविद्यालय की खो-खो महिला टीम भी में हुआ और वह फ़क़ीर मोहन विश्वविद्यालय बालासोर उड़ीसा में अंतर विश्वविद्यालयीन स्तर खो-खो महिला में हिस्सा लिया|डीकेश सावबी.ए.I ने क्रिकेट पुरुष में महाविद्यालय स्तर पर 128 रन की शानदार पारी खेलकर महाविद्यालय का मान बढाया, जिसके कारण इसका चयन राज्य स्तर एवं विश्वविद्यालय की टीम दोनों जगह हुआ| इन्होने KALINGA INSTITUTE OF TECHNOLOGY, BHUBANESWAR द्वारा आयोजित अंतर विश्वविद्यालयीनक्रिकेट पुरुष प्रतियोगिता में सहभागिता लेकर महाविद्यालय को गौरवान्वित किया |राज पसायत बी.एस.सी.II ने क्रिकेट पुरुष में शानदार गेंदबाजी की जिसके वजह से उन्हें राज्य स्तरीय ट्रायल में चयन किया गया| मनीष पटेल बी.कॉम.II ने बैडमिंटन पुरुष में बेहतरीन खेल के प्रदर्शन पर राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में सहभागिता निभाई|

महाविद्यालय के वार्षिक उत्सव के दौरान समस्त खिलाडियों को मैडल एवं प्रमाण पत्र वितरित कर सम्मानित किया गया| इस वर्ष महाविद्यालय में बैडमिंटन खेल मैदान तैयार किया गया| आने वाले वर्ष में वॉलीबॉल एवं कबड्डी खेल मैदान निर्माण करने की योजना है| इन समस्त खेल प्रतियोगिता में खिलाडियों ने उत्कृष्ट खेल भावना का परिचय दिया, साथ ही महाविद्यालय परिवार का भरपूर साथ एवं सहयोग प्राप्त हुआ|

क्रीड़ा प्रभारी
प्रो. हरिहर प्रसाद चौहान

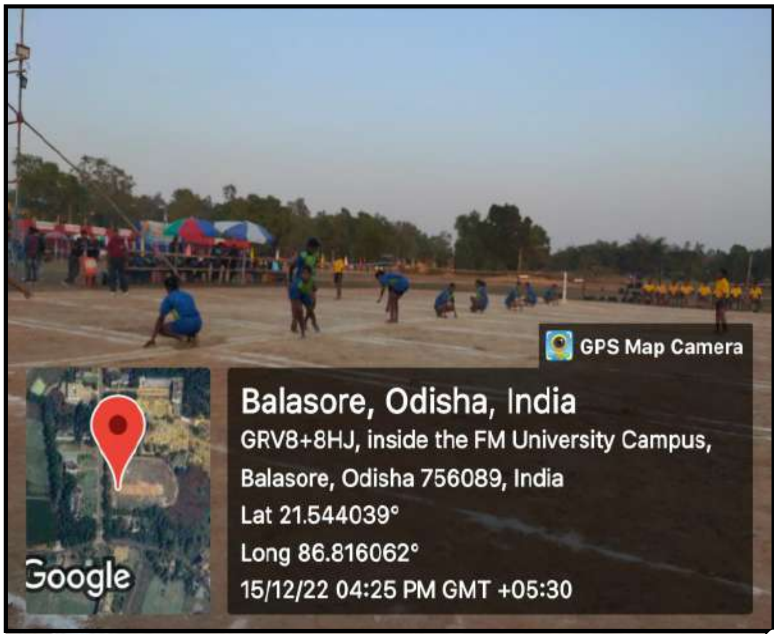

वार्षिक प्रतिवेदन
प्राणी शास्त्र विभाग

सत्र 2022 – 23 में स्नातक प्रथम , द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के कुल 208 विद्यार्थियों ने प्राणी शास्त्र विषय का अध्ययन किया। विभाग से सम्बंधित सूचनाओं एवं पठन सामग्रियों को व्हाट्सएप ग्रुप में शेयर किया गया जिससे कि सभी विद्यार्थी लाभान्वित हो सकें।

1. विद्यार्थी शोध प्रोजेक्ट विगत वर्षो की भांति विद्यार्थी केन्द्रित अध्ययन एवं शोध के लिए प्राणी शास्त्र विषय से सम्बंधितबीएससी अंतिम वर्ष के विद्यार्थी द्वारा 07 प्रोजेक्ट का हार्ड कॉपी , सॉफ्ट कॉपी (जमा किया गया) एवं मॉडल व पीपीटी के माध्यम से प्रेजेंटेशन दिया गया

2. सेमीनार का प्रेजेंटेशनबीएससी प्रथम ,द्वितीय ,तृतीय वर्ष के विद्यार्थियोद्वरापीपीटी के माध्यम से सेमीनार का प्रेजेंटेशन किया गया है (का हार्ड कॉपी , सॉफ्ट कॉपी जमा किया गया) , बीएससी प्रथम ,द्वितीय ,तृतीय वर्ष के प्रत्येक विद्यार्थियोद्वरा इस सत्र की प्रायोगिक रिकार्ड को computerize हार्ड एवं सॉफ्ट जमा किया गया

3. शैक्षणिक भ्रमण विगत वर्षो की भांति विद्यार्थी केन्द्रित अध्ययन एवं शोध के लिए प्राणी शास्त्र विषय से सम्बंधितबीएससी अंतिम वर्ष के विद्यार्थी द्वारा गोमर्डाअभ्यारण (जिला सारंगढ़) की शैक्षणिक भ्रमण एवं 1 प्रोजेक्ट का हार्ड कॉपी , सॉफ्ट कॉपी (जमा किया गया)

4. यूनिट परीक्षा बीएससी प्रथम ,द्वितीय ,तृतीय वर्ष के विद्यार्थियो का निश्चित समयांतराल यूनिट परीक्षा पर कराये गए। विषय वस्तु को ठीक से समझने के लिए विद्यार्थियों को मॉडल बनाना सिखाया गया

5. प्रयोग शाला जीव का पालन (मॉडल के रूप) बीएससी प्रथम द्वारा पेट रैबिट का , बीएससी द्वितीय द्वारा एक्वेरियम में मछली पालन एवं कुकुट पालन की विधि और प्रायोगिक किया गया है

महाविदयालय अपने नवीन भवन में सितम्बर 2022 को स्थानांतरित हुआ है। प्राणी शास्त्र प्रयोगशाला में कुछ आवश्यक कार्य कराये गए , केमिकल रखने के लिए ग्लासरैक एवं एलसीडीप्रोजेक्टर की व्यवस्था की गई। रैक की व्यवस्था जनभागीदारी मद से की गई।

विगत सत्र में प्राणी शास्त्र में विद्यार्थियों का परीक्षा परिणाम लगभग शत प्रतिशत रहा। इस वर्ष भी अच्छे परिणाम के

विभागाध्यक्ष
(प्राणी शास्त्र विभाग)

प्रतिवेदन पुस्तकालय

किसी भी शिक्षण संस्थान के लिए पुस्तकालय सर्वाधिक महत्वपूर्ण होता है । महाविद्यालय को प्रारंभ हुए मात्र 09 वर्ष ही हुए हैं, इस अल्प अवधि में भी पुस्तकालय में छह हज़ार से अधिक पुस्तकें क्रय की गई हैं।

विभिन्न विषयों से संबंधित पुस्तकों की संख्या निम्नानुसार है:

हिंदी 896, अंग्रेजी 81, इतिहास 493 , राजनीति विज्ञान 613, समाज शात्र 510, वाणिज्य 649, पर्यावरण 120, रसायन शास्त्र 1591, वनस्पति शास्त्र 612, प्राणी शास्त्र 588,

अन्य 55

इसके अतिरिक्त विद्यार्थियों एवं प्राध्यापकों द्वारा भी लगभग 250 पुस्तकें दान स्वरुप प्रदान की गयी है। सामान्य बी.पी.एल. अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं जन भागीदारी हेड के अंतर्गत पुस्तकें क्रय की जाती है। इन पुस्तकों का वितरण प्रत्येक विद्यार्थी को उसकी आवश्यकतानुसार एवं उपलब्धता के अनुसार किया जाता है संचालन की सुविधा की दृष्टिकोण से कला संकाय के विद्यार्थियों को सोमवार एवं मंगलवार को विज्ञान संकाय के विद्यार्थियों को बुधवार एवं गुरुवार तथा वाणिज्य संकाय के विद्यार्थियों को शुक्रवार एवं शनिवार को पुस्तकें दी जाती है। वितरण का समय सामान्यतः अपराह्न रखा गया है ।

पुस्तकालय के एक हिस्से में वाचनालय की भी सुविधा है जहाँ विद्यार्थी बैठकर पुस्कें समाचार पत्र एवंपत्र पत्रिकाएं पढ़ सकते हैं।

पुस्तकालय / वाचनालय में परिग्रहण, वितरण, संग्रहणएवं दैनिक पंजी का भी संधारण किया जाता है जिसमें दैनिक पंजी मेंप्रत्येक आगंतुक से हस्ताक्षर कराया जाता है।

भविष्य में सन्दर्भ ग्रंथों एवं अन्य उपयोगी पुस्तकों को क्रय करना प्रस्तावित है । छ.ग. शासन द्वारा इस महाविद्यालय में लाईब्रेरियन का पद स्वीकृत नहीं है। इसके वावजूद महाविद्यालय का पुस्तकालय विभाग अपनी जिम्मेदारियों को पूरी निष्ठा एवं सम्पर्पण की भावना से दायित्व का निर्वाहन रहा है।

नवरत्नों से बढ़ कर, किताब अनमोल रत्न हैं
जिसकी कोई कीमत नहीं लगाई जा सकती

पुस्तकालय प्रभारी
श्री श्रीबच्छभोय सहा.प्राध्यापक (हिंदी)

महाविद्यालय के विकास में भागीदार

इन्हें धन्यवाद देना ना भूलें

श्री ऋतेश थवाईत जी
अध्यक्ष
नगर पंचायत पुसौर

- महाविद्यालय के लिए भूमि आबांटन में प्रमुख भूमिका।
- महाविद्यालय में शेड निर्माण एवं अन्य कार्यो में महत्वपूर्ण योगदान

श्री कसेर जी
पार्षद, वार्ड क्रमांक 01, इंदिरा वार्ड, पुसौर एवं अध्यक्ष, जनभागीदारी समिति, वि.च.गु.
शासकीय महाविद्यालय, पुसौर

- महाविद्यालय को वोल्टास वाटर कूलर एवं हेवल्स फिल्टर पार्षद पद से उपलबध कराया।
- जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष के रूप में महाविद्यालय की अधोसंरचना विकास में प्रमुख भूमिका।

श्रीमती उमा गुप्ता जी
पार्षद, वार्ड क्रमांक 11
हनुमान मंदिर वार्ड (डिहीपारा)
पुसौर
एवं सदस्य, जनभागीदारी समिति, वि.च.गु.शासकीय महाविद्यालय पुसौर

- महाविद्यालय को वोल्टास वाटर कूलर एवं हेवल्स फिल्टर पार्षद मद से उपलब्ध कराया।

IQAC प्रतिवेदन

प्रत्येक महाविद्यालय का शैक्षणिक सत्र विभिन्न अकादमिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों से परिपूर्ण रहता है ठीक उसी प्रकार हमारे महाविद्यालय के सत्र 2022-23 की शुरूआत कुछ इस प्रकार हुई सत्र प्रारंभ होते ही प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ हो गई जिसमें द्वितीय एवं तृतीय वर्ष की प्रवेश प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण कर ली गई परंतु तीनों संकायों के प्रथम वर्ष की प्रक्रिया लंबी चली। प्रवेश प्रक्रिया के साथ साथ कक्षाएं भी प्रारंभ हो गईस सर्वप्रथम महाविद्यालय की महिला उत्पीड़न निवारण समिति द्वारा अगस्त 2022 में "महिला सुरक्षा एवं साइबरक्राइम"विषय पर एक वेबिनारका आयोजन किया गया। तत्पश्चात महाविद्यालय की महिला उत्पीड़न निवारण समिति द्वारा"महिला जागरूकता"संबंधी विषय पर ऑनलाइन भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। सितंबर 2022 में महाविद्यालय का नवीन भवन में प्रवेश हुआ। इसके पश्चात विभिन्न शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन लगातार किए जाने लगा। जैसा कि महाविद्यालय की परंपरा रही है प्रवेशित विद्यार्थियों के स्वागत समारोह का आयोजन किया जाता है। इसी कड़ी में अक्टूबर 2022 में इस कार्यक्रम का आयोजन नवीन भवन का प्रथम सांस्कृतिक कार्यक्रम बना। अक्टूबर 2022 में ही कुलउत्सव का आयोजन, हमारे विद्यार्थियों का अग्रणी महाविद्यालयों में जाकर भाग लेना भी शामिल रहा। नवंबर 2022 का माह स्वीप गतिविधियों में संलिप्त रहा जिसमें भाषण एवं क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। मतदाता जागरूकता संबंधी शिविर का आयोजन किया गया जिसमें तहसीलदार पुसौर की विशेष उपस्थिति रही। इस माह संविधान दिवस पर क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। दिसंबर माह में आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा का आयोजन, ऊर्जा संरक्षण दिवस पर रंगोली एवं चित्रकला का आयोजन, विश्व मानवाधिकार दिवस पर डॉ एम.एल. पटेल प्राध्यापक राजनीति विज्ञान शासकीय महाविद्यालय कुसमुरा के व्याख्यान का आयोजन, कंप्यूटर साक्षरता दिवस पर वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष श्री रमेश कुमार साहू द्वारा कंप्यूटर संबंधी आधारभूत जानकारी देने हेतु कार्यशाला का आयोजन हुआ। जनवरी माह में गणतंत्र दिवस समारोह के साथ सरस्वती पूजन का कार्यक्रम आयोजित हुआ। माह फरवरी में पर्यावरण संरक्षण संबंधी जागरूकता हेतु रंगोली एवं पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। फरवरी माह की समाप्ति वार्षिकोत्सव सह विदाई समारोह के आयोजन के साथ हुई। जिसमे सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन, सत्र 2021-22की महाविद्यालय प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त तीनों संकायों के विद्यार्थियों सहित साल भर की गतिविधियों में प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। मार्च माह के प्रारंभ में विश्व महिला दिवस के उपलक्ष्य पर ग्राम गोतमा में महाविद्यालय की महिला उत्पीड़न निवारण समिति द्वारा "महिला सुरक्षा एवं अधिकार संबंधी जागरूकता"कार्यक्रम का आयोजन किया गया, इको क्लब द्वारा तहसीलदार पुसौर के नेतृत्व में महाविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण का कार्य किया गया। प्लेसमेंट सेल द्वारा करियर मार्गदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें सीईओ पुसौर श्री महेश पटेल द्वारा विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षा हेतु मार्गदर्शन तथा तैयारी हेतु महाविद्यालय द्वारा चयनित छात्र को पुस्तक भी प्रदान कियागया। तहसीलदार पुसौर द्वारा भी करियर मार्गदर्शन पर विद्यार्थियों को व्याख्यान दिया गया। महाविद्यालय के रेडक्रास समिति द्वारा बूस्टरडोज शिविर का आयोजन किया गया। साइंस क्लब एवं रेडक्रॉस के संयुक्त तत्वावधान में विद्यार्थियों हेतु निःशुल्क ब्लड ग्रुप टेस्ट, वजन एवं ऊँचाई के परीक्षण हेतु शिविर लगाए गए। रेडक्रॉस समिति द्वारा प्राथमिक उपचार पर बीएमओ पुसौर एवं डॉ. नायक पुसौर की उपस्थिति में कार्यशाला का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों में ज्ञान के साथ साथ जीवन में संतुलन बनाए रखने के लिए पीस एजुकेशन फाउंडेशन के सहयोग से कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा ह। इन सबके अलावा शिक्षक-अभिभावक वार्ता, भूतपूर्व छात्र सम्मेलन एवं महाविद्यालय प्रगति हेतु जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष सदस्यों एवं समीप के विभिन्न गांव के सरपंच की मीटिंग हुई।महाविद्यालय में बेस्ट प्रैक्टीसेस के रूप में प्रत्येक दिन प्रार्थना करवाई जाती है, जिसमें तीनों संकायों के विद्यार्थियों के सामान्य ज्ञान संबंधी प्रश्न पूछे जाते हैं, महाविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों भूतपूर्व विद्यार्थियों एवं शिक्षकों द्वारा पाठ्यक्रम से संबंधित किताबें दान की गई। इस सत्र में महाविद्यालय की ग्रेडिंग हेतु दिसंबर 2022 में IIQ सबमिट किया गया तथा फरवरी 2023 में SSR सबमिट किया गया एवं अप्रैल 2023 में पीयर टीम विजिट हेतु नैक द्वारा क्वालीफाइंग कर दिया गया है पियर टीम विजिट जुलाई 2023 में होना है।

प्रभारी IQAC

रमेश कुमार साहू

सहायक प्राध्यापक वाणिज्य

महाविद्यालय के प्राध्यापकों द्वारा अन्य शिक्षण संस्थानों में व्याख्यान

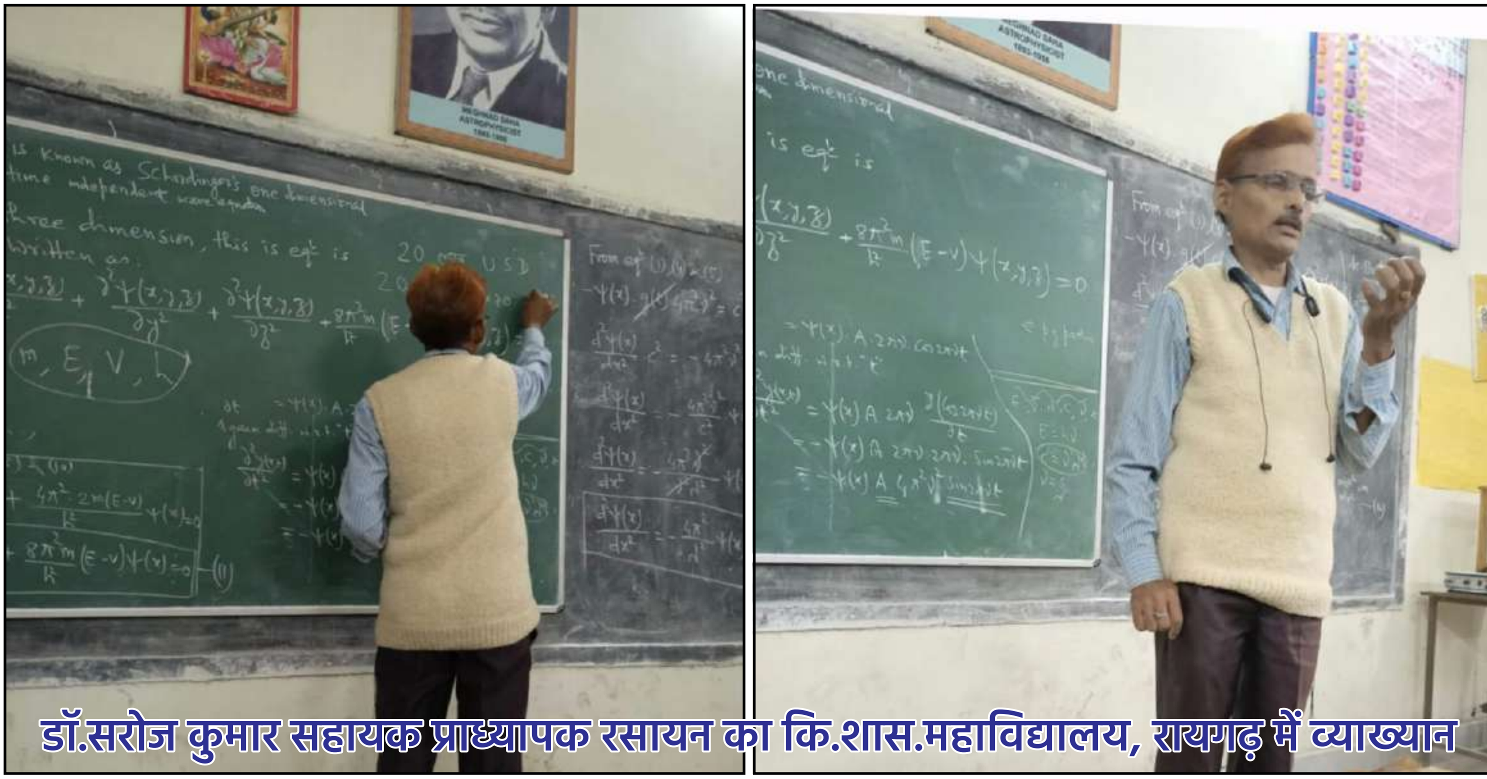

डॉ.सरोज कुमार सहायक प्राध्यापक रसायन का कि.शास.महाविद्यालय, रायगढ़ में व्याख्यान

श्री रमेश कुमार साहू सहायक प्राध्यापक वाणिज्य द्वारा शास.पी.डी.महाविद्यालय, रायगढ़ में व्याख्यान

श्री हरिहर प्रासाद चौहान
सहायक प्राध्यापक इतिहास द्वारा
शासकीय आत्मानंद विद्यालय पुसौर में करियर मार्गदर्शन

शिवानी शर्मा
सहायक प्राध्यापक राजनीति विज्ञान द्वारा
कि.शास.महा.रायगढ़ के राजनीति विज्ञान विभाग में करियर मार्गदर्शन

अख़बारों में महाविद्यालय

पुसौर कॉलेज में विश्व मृदा दिवस का आयोजन

अब नवनिर्मित विष्णुचरण गुप्ता कॉलेज भवन में होगी पढ़ाई

दृढ़ इच्छाशक्ति से होती है लक्ष्य की प्राप्ति

करियर मार्गदर्शन पर कार्यशाला का आयोजन

महाविद्यालयीन प्रगति हेतु वार्ता सम्मेलन का आयोजन

जनभागी दारी समिति के अध्यक्ष एवं सदस्यों ने दिए महत्वपूर्ण सुझाव

शासकीय महाविद्यालय पुसौर में एलुमिनी मीट का आयोजन

पुसौर कालेज में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन

रेडक्रॉस एवं साइंस क्लब के संयुक्त तत्वाधान में लगा शिविर

शासकीय महाविद्यालय पुसौर में कंप्यूटर साक्षरता दिवस का हुआ आयोजन

कोरबा - जांजगीर 05

रायगढ़, मंगलवार 14 मार्च 2023

महिला दिवस पर महिला अधिकार जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

रायगढ़। विष्णु चरण गुप्ता शासकीय महाविद्यालय पुसौर द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में महिला अधिकार जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया शिक्षा ऐसी हो जिससे व्यक्ति के व्यक्तित्व का विकास हो शिक्षा ऐसी हो जो व्यक्ति को समाज से जोड़ सके महा विद्यालय का विजन और मिशन भी यही है कि हम शिक्षा ऐसे प्रदान करेंगे जो समाज के हित में भी होगी इसी उद्देश्य की पूर्ति हेतु महा विद्यालय द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम को महा विद्यालय परिसर से बाहर करने का निर्णय लिया गया जिस हेतु ग्राम पंचायत गोतमा का चयन किया गया जिसमें ग्राम पंचायत गोतमा के सरपंच आशीष गुप्ता जी का सक्रिय सहयोग प्राप्त हुआ कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए महा विद्यालय के प्राध्यापक श्रीवत्स भोय द्वारा उपस्थित सरपंच आशीष गुप्ता उपसरपंच श्रीमती प्रेमलता गुप्ता ग्राम प्रमुख विशिष्ट अतिथि अरुण गुप्ता, श्रीमती पद्मावती गुप्ता, पंच श्रीमती सुमति बारीक, श्रीमती संध्या गुप्ता, श्रीमती बेलमती गुप्ता, श्रीमती रुकमणी चौहान,राजेश राम चौहान,साथ ही डॉ. ... की प्रशंसा की साथ ही उन्होंने महिला संबंधी विभिन्न अधिकारों एवं कानूनों पर विस्तृत चर्चा की तत्पश्चात महा विद्यालय के महिला उत्पीड़न निवारण समिति की प्रभारी शिवानी शर्मा सहायक प्राध्यापक राजनीति विज्ञान को आमंत्रित किया गया जिसके तहत उन्होंने समाज में महिला की अपेक्षा पर बात की और कहा कि समाज के नियम ऐसे होने चाहिये की लड़की को भी अवसर की समानता समान रूप से प्राप्त हो सके तत्पश्चात पींडी कौशिक से उपस्थित श्रीमती प्रीति तथा सहायक प्राध्यापक वाणिज्य ने कहा कि महिलाएं स्वयं जब तक खुद में जागरूकता नहीं लाएगी खुद को महत्व नहीं देगी तब तक कोई बाहरी रूप से उन्हें जागरूक नहीं कर सकता इसके पश्चात महा विद्यालय के सहायक प्राध्यापक श्रीमती शीतल केरकेट्टा द्वारा अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि जो स्थिति एक अविवाहित युवती की उसके मायके में होती है जितना साथ उसे विवाह के पूर्व अपने माता पिता का मिलता है उतना ही साथ उन्हें विवाह पश्चात अपने सास ससुर का प्राप्त हुआ जिसके कारण आज वो इस पद पर आकर कार्य कर ...

पुसौर में एड्स जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

पुसौर। विष्णु चरण गुप्ता शासकीय महाविद्यालय पुसौर के साइंस क्लब द्वारा विश्व एड्स दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसके तहत मुख्यवक्ता के रूप में टेकराम प्रधान सहायक प्राध्यापक प्राणीशास्त्र शासकीय नवीन महाविद्यालय चपले उपस्थित रहे। उन्होंने अपने व्याख्यान द्वारा विद्यार्थियों को एड्सरोग के बारे में तथा इस रोग के वायरस एचआईवी उसके संक्रमण उसकी संरचना उसके जीन जेनेटिक इफेक्ट आदि सभी तथ्यों पर विस्तार पूर्वक जानकारी देते हुए आवश्यक सावधानी बरतने की सलाह दी। एड्स के संबंध में जागरूक करते हुए कहा कि रोगी के साथ समानता का व्यवहार करना चाहिए क्योंकि समानता सब का जन्मसिद्ध अधिकार है इस हेतु हमें रोगी से घृणा करने की बजाय उसका हौसला बढ़ाना चाहिए साथ ही साथ ज्यादा से ज्यादा लोगों

अभिभावक शिक्षक वार्ता सम्मेलन का आयोजन

शासकीय महाविद्यालय पुसौर में किया गया वृक्षारोपण

नवीन कदम / न्यूज

ऊर्जा संरक्षण दिवस पर चित्रकला एवं रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन

सकारात्मक सोच से निखरता है व्यक्तित्वः महेश पटेल

कार्यक्रम का आयोजन

मुख्य वक्ता विशेषज्ञ के रूप में हुए सम्मिलित

पुसौर में एड्स जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

पुसौर में विश्व मानवाधिकार दिवस का आयोजन

विष्णुचरण गुप्ता शासकीय महाविद्यालय पुसौर में कार्यशाला का आयोजन

नवीन कदम / न्यूज

पुसौर। विष्णु चरण गुप्ता शासकीय महाविद्यालय पुसौर, रायगढ़ में Peace Education Foundation के तत्वावधान में Inner Skill Development कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित संस्था प्रभारी अनूप अग्रवाल द्वारा विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ आंतरिक कौशल विकास हेतु मार्गदर्शन दिया गया। कार्यक्रम में पीस एजुकेशन प्रोग्राम के अन्य सहयोगी के रूप में उपस्थित ज्योति यादव सीतल देहरी दीप्ति पटेल उपस्थित रहे जिन्होंने फाउंडेशन के संबंध में विद्यार्थियों को विस्तृत जानकारी देते हुए कार्यक्रम के कुल 10 कार्यशाला के आयोजन की जानकारी दी महाविद्यालय में सप्ताह में 1 दिन कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम में तीनों संकाय के विद्यार्थियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।

इस कार्यक्रम में सरोज कुमार सहा. प्रा. रसायन, हरिहर प्रसाद चौहान सहा. प्रा. इतिहास, बालमुकुंद पटेल सहा. प्रा. वनस्पति शास्त्र, रमेश कुमार साहू सहा. प्रा.वाणिज्य श्रीवत्स भोय सहा. प्रा. हिंदी पतरस किंडो सहा. प्रा. अंग्रेजी सहित अन्य कर्मचारियों एवं विशेष रूप से श्री विजय कुमार काटे सहा. प्रा. जंतु विज्ञान की सक्रिय भूमिका रही।

गोमर्डा अभयारण्य का किया शैक्षणिक भ्रमण

रायगढ़। विष्णु चरण गुप्त शासकीय महाविद्यालय पुसौर के विज्ञान संकाय के बीएससी तृतीय वर्ष के छात्र छात्राओं को शैक्षणिक भ्रमण हेतु गोमर्डा अभयारण्य ले जाया गया जहाँ विद्यार्थियों ने अभयारण्य उपस्थित विभिन्न वन्य जीव जंतु पेड़ पौधों का निरीक्षण किया और विद्यार्थियों ने अपने अनुभव इस प्रकार प्राध्यापकों के समक्ष रखें यह अभ्यारण्य 275 वर्ग किमी में फैला हुआ बहुत ही आकर्षक स्थान है। यहाँ पर बहुत से पहाड़ी क्षेत्र हैं। गोमर्डा अभ्यारण्य में विभिन्न प्रकार के जंगली जानवर पाए जाते हैं जिनमें विभिन्न प्रकार के हिरण एवं जंगली भैंस विशेष हैं। इसके अलावा भी अन्य जंगली जानवर जैसे गिलहरी, सांभर, गौर, जंगली कुत्ता एवं सियार भी पाए जाते हैं। गोमर्डा अभ्यारण्य की प्रमुख विशेषता यह थी कि यहाँ बाघों का क्षेत्र, जंगली भैंस का क्षेत्र भालू का क्षेत्र, हिरण का क्षेत्र, मोर का क्षेत्र था। गोमर्डा अभ्यारण्य का वातावरण बहुत ही आकर्षक है, यह अभ्यारण्य विभिन्न प्रकार के पेड़-पौधों से परिपूर्ण है जिसमें मुख्य रूप से साल, सागौन, नीम, बेर आदि पेड़-पौधे हैं। गोमर्डा अभ्यारण्य में पक्षी समुदाय भी काफी है जिनमें से जंगली पक्षी, मोर, भृ...

महाविद्यालय पुसौर में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन

पुसौर कॉलेज में कंप्यूटर साक्षरता दिवस का आयोजन

संविधान दिवस पर व्याख्यान व क्विज प्रतियोगिता आयोजित

पुसौर कालेज में अभिभावक शिक्षक वार्ता सम्मेलन का आयोजन

पुसौर कॉलेज में प्राथमिक उपचार पर कार्यशाला का आयोजन

पुसौर महाविद्यालय में प्राथमिक उपचार पर कार्यशाला का आयोजन

महाविद्यालय में प्रवेश प्रक्रिया

प्रवेश लेने की विधि :

स्नातक प्रथम वर्ष में वेश हेतु शहीद नन्द कुमार पटेल विश्वविद्यालय रायगढ़ के प्रवेश पोर्टल में पोर्टल खुलने पर निर्धारित तिथि तक ऑनलाइन फॉर्म विष्णु चरण शासकीय महाविद्यालय पुसौर जिला रायगढ़ को चयनित कर सबमिट करना होगा। विश्वविद्यालय के निर्देशानुसार महाविद्यालय द्वारा आवेदित विद्यार्थियों का नाम डाउनलोड किया जाता है, तत्पश्चात नियमानुसार मेरिटसूचि बनाकर सूचना फलक पर प्रकाशित किया जाता है। चयनित विद्यार्थी जिनका नाम सूची में हो, सबमिट आवेदन फॉर्म के साथ वांछित मूल प्रमाण पत्रों एवं छायाप्रति सहित निर्धारित अंतिम तिथि तक उपस्थित होना होगा। प्रवेश समिति द्वारा सभी प्रमाण पत्रों का सत्यापन किया जायेगा तत्पशत निर्धारित शुल्क जमा कर प्रवेश प्राप्त कर सकेंगे। स्नातक द्वितीय एवं तृतीय में प्रवेश हेतु इस महाविद्यालय से प्रथम एवं द्वितीय वर्ष में उत्तीर्ण छात्र-छात्राएं उत्तीर्ण दिनांक से पंद्रह दिवस के भीतर महाविद्यालय द्वारा निर्धारित फॉर्म एवं शुल्क जमाकर प्रवेश पा सकेंगे। सीट रिक्त होने पर अन्य विद्यार्थी नियमानुसार मेरिट आधार पर प्रवेश पा सकेंगे.

आवेदन पत्र के साथ प्रत्येक छात्र को निम्न प्रमाण-पत्र आदि संलग्न करना चाहिये-

- मूल स्थानान्तरण प्रमाण-पत्र एवं चरित्र प्रमाण-पत्र
- स्नातक प्रथम वर्ष में प्रवेश हेतु कक्षा 10 वीं एवं 12 वीं परीक्षाओं की अंकसूची एवं द्वितीया ।
- तृतीय वर्ष में प्रवेश हेतु पिछली कक्षाओं की अंकसूची की स्वप्रमाणित छायाप्रति ।
- प्रवासी सर्टिफिकेट (अन्य विश्वविद्यालय या बोर्ड से आने वाले आवेदक के लिये) ।
- यदि पिछली परीक्षा स्वाध्यायी परीक्षा के रूप में उत्तीर्ण की हो तो किसी राजपत्रिक अधिकारी से जारी चरित्र प्रमाण-पत्र ।
- आरक्षित वर्ग के विद्यार्थियों के लिए सक्षम अधिकारी द्वारा जारी जाति प्रमाण पत्र ।
- अधिभार पाने हेतु उपयु प्रमाण पत्र की प्रमाणित सत्य प्रतिलिपि (एन. सी. सी. एन.एस.एस., खेलकूद)
- सक्षम अधिकारी द्वारा जारी निवास प्रमाण पत्र- छ.ग. का मूल निवास प्रमाण पत्र ।
- रक्त ग्रुप रिपोर्ट कॉपी।
- पासपोर्ट साइज का दो कलर फोटोग्राफ

महाविद्यालय में प्रवेशित विद्यार्थियों की कक्षावार,लिंगवार,वर्गवार सूची

SESSION	**2022-23**
College Code	**711**
College Name	**VCG GOVT. COLLEGE PUSSORE, DISTRICT-RAIGARH (C.G.)**
Phone No.	**07768-265900**
Name of Principal	**Dr. S.L.Sonwane**
Mobile No.	**9098910298**

CLASS	GEN			ST			SC			OBC			TOTAL			PWD								MINORITY							
	M	F	TOTAL	M	F	TOTAL	M	F	TOTAL	M	F	TOTAL	M	F	TOTAL	GEN		ST		SC		OBC		GEN		ST		SC		OBC	
																M	F	M	F	M	F	M	F	M	F	M	F	M	F	M	F
BA I	0	1	1	10	15	25	6	5	11	11	22	33	27	43	70	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	2
BA II	0	2	2	0	24	24	4	5	9	9	26	35	13	57	70	0	0	0	0	0	0	1	1	0	0	0	0	0	0	0	0
BA III	0	0	0	8	11	19	0	10	10	10	31	41	18	52	70	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
BSc I (BIO)	1	1	2	1	16	17	2	6	8	6	37	43	10	60	70	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
BSc II (BIO)	0	2	2	4	13	17	2	4	6	5	40	45	11	59	70	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
BScIII (BIO)	1	2	3	8	11	19	2	4	6	5	37	42	16	54	70	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0
BCOM I	1	1	2	1	9	10	5	1	6	14	38	52	21	49	70	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
BCOM II	0	3	3	6	7	13	1	2	3	16	28	44	23	40	63	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
BCOM III	0	0	0	7	5	12	5	4	9	17	30	47	29	39	68	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
G.TOTAL	**3**	**12**	**15**	**45**	**111**	**156**	**27**	**41**	**68**	**93**	**289**	**382**	**168**	**453**	**621**	**0**	**0**	**0**	**0**	**1**	**0**	**2**	**1**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**2**

महाविद्यालय में अधिकारी एवं कर्मचारियों की सूची

क्र.	पदनाम (विषय)	स्वीकृत पद संख्या	कार्यरत	रिक्त	अधिकारियों/कर्मचारियों का नाम	मोबाईल नं.	महा. में पदस्थी का दिनांक
1	3	4	5	6	8	9	17
1	प्राचार्य	1	0	1	—	—	—
2	सहायक प्राध्यापक (रसायन)	1	1	0	डॉ.सरोज कुमार	9926172465	24-08-2017
3	सहायक प्राध्यापक (अंग्रेजी)	1	1	0	श्री पतरस किण्डो	7974606032	12-10-2022
4	सहायक प्राध्यापक (हिन्दी)	1	1	0	श्री श्रीबच्छ भोय	8463062302	03-10-2016
5	सहायक प्राध्यापक (प्राणि)	1	1	0	श्री विजय कुमार कांटे	9329396734	31-08-2017
6	सहायक प्राध्यापक (इतिहास)	1	1	0	श्री हरिहर प्रसाद चौहान	8461864785	04-09-2017
7	सहायक प्राध्यापक (समाजशास्त्र)	1	1	0	श्री जयनारायण नायक	7898096984	05-09-2017
8	सहायक प्राध्यापक (वाणिज्य)	2	2	0	श्री रमेश कुमार साव	9752595125	27-09-2017
					श्रीमती शीतल केरकेट्टा	9039980028	10-02-2022
9	सहायक प्राध्यापक (गणित)	1	0	1	'''	'''	'''
10	सहायक प्राध्यापक (भौतिक)	1	0	1	'''	'''	'''
11	सहायक प्राध्यापक (वनस्पति शास्त्र)	1	1	0	श्री बालमुकुन्द पटेल	9907438107	01-04-2022
12	सहायक प्राध्यापक (राजनीति शास्त्र)	1	1	0	सुश्री शिवानी शर्मा	9630763972	28-01-2022
13	ग्रंथपाल	0	0	0	'''	'''	'''
14	क्रीड़ाधिकारी	0	0	0	'''	'''	'''
15	सहायक ग्रेड –1	1	0	1	—	—	'''
16	सहायक ग्रेड –2	1	1	0	श्री मनोज कुमार प्रधान	9752070444	20-11-2021
17	सहायक ग्रेड –3	1	0	1			
18	प्रयोगशाला तकनीशियन	4	3	1	श्री सुरेन्द्र कुमार मेहरा	9893252963	01-02-2023
					श्री आत्मा एक्का	9907966455	22-09-2015
19	प्रयोगशाला परिचारक	4	1	3	मुकेश कुमार नायक	8223858807	05-09-2019
20	भृत्य	2	1	1	कु. बबीता यादव	9399526054	16-07-2021
21	चौकीदार	1	0	1			'''
22	स्वच्छक (अंशकालीन)	1	0	1			'''

महाविद्यालय के गौरव

उमाशंकर उरांव
बी.ए. अंतिम वर्ष छात्र
भारतीय सुरक्षा बल (BSF)
मे चयनित

महिमा यादव
बी.ए. अंतिम वर्ष छात्रा
राज्य स्तरीय महिला
खो - खो प्रतियोगिता मे चयनित

डिकेश साव
बी.ए. प्रथम वर्ष
राज्य स्तरीय पुरुष
क्रिकेट प्रतियोगिता मे चयनित

मनीष पटेल
बी. कॉम. प्रथम वर्ष
राज्य स्तरीय पुरुष बैडमिंटन
प्रतियोगिता मे चयनित

अंजली सत्पथी
बी. कॉम. प्रथम वर्ष
राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा आयोजित जिला स्तरीय
भाषण प्रतियोगिता मे द्वितीय स्थान

अनीता सिदार
भूतपूर्व छात्रा बी.ए. छत्तीसगढ़ वन विभाग में चयनित

द्रोपदी श्रीवास
भूतपूर्व छात्रा बी.एस-सी. सहायक शिक्षिका

अभिव्यक्ति

विष्णुचरण गुप्ता शासकीय महाविद्यालय पुसौर, रायगढ़ (छ.ग.)